संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 342
पृष्ठ 8
गुरूवार
03 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हार्ट को हेल्दी रखने से लेकर...

विचार- युवाओं के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी...

खेल- खिलाड़ियों की चोट से 2027...

सीएम योगी ने यूपीकॉस लॉन्च कर पिछली सरकारों पर साधा निशाना

आउटसोर्स कर्मचारी बोझ नहीं, संपत्ति हैं

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स्ड सर्विसेज कॉर्पोरेशन पोर्टल और वेबसाइट के लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह राज्य–स्तर की एक गैर–लाभकारी संस्था है, जिसका मकसद आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करना और उनके काम को व्यवस्थित करना है। यह पारदर्शी तरीके से भर्ती को बढ़ावा देती है, समय पर सीधे सैलरी भुगतान की गारंटी देती है और सामाजिक सुरक्षा लाभ (EPF/ESI) भी देती है।

इस कार्यक्रम के दौरान, इस पहल के लिए लोगो भी जारी किया गया और आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक बांटे गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधा और उन पर आउटसोर्स कर्मचारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले की सरकारें आउटसोर्स कर्मचारियों को बोझ मानती थीं, इसीलिए उन्होंने जिन आउटसोर्सिंग कंपनियों को काम पर रखा, वे उनकी अपनी पार्टी से जुड़े रिश्तेदारों की थीं। उन्होंने भर्ती और यूनिफॉर्म के नाम पर कर्मचारियों का शोषण किया। हमने उन्हें बोझ नहीं माना हैय हमने उन्हें राज्य के लिए एक संपत्ति माना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के विकास का सफर सभी क्षेत्रों के कर्मचारियों – चाहे वे स्थायी हों या आउटसोर्स – के योगदान से ही संभव हो पाया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के विकास का जो सफर तय हुआ है और राज्य में जो प्रगति दिख रही है, वह कुछ खास लोगों की ताकत और सहयोग की वजह से ही संभव हो पाई है। चाहे वे शहरी निकाय के सफाई कर्मचारी हों या जरूरी सरकारी व्यवस्थाओं में अलग–अलग जगहों पर काम करने वाले लोग चाहे वे स्थायी हों या आउटसोर्स यह सब उनकी ही कोशिशों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्सड सर्विसेज कॉर्पोरेशन सरकार की एक ऐसी कोशिश है जिससे यह पक्का किया जा सके कि ऐसे हर कर्मचारी को उनके योगदान के मुताबिक सम्मान और गरिमा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच का रिश्ता सिर्फ लेन–देन का नहीं होता। उन्होंने कहा कि सरकार और कर्मचारियों के बीच का रिश्ता सिर्फ वेतन का नहीं, बल्कि भरोसे का होता है।

जीवन की रक्षा से बढ़कर कोई मूल्यवान उपहार नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया गया। उन्होंने एक्स पर संस्कृत श्लोक, अभयस्यैव यो दाता तस्यैव सुमहत्फलम् । न हि प्राणसमं दानं त्रिषु लोकेषु विद्यते साझा किया है। प्रधानमंत्री ने जो श्लोक साझा किया है, उसका हिंदी अर्थ है, ष्जो व्यक्ति लोगों के भय को दूर करता है, वह विशेष पुण्य प्राप्त करता है। तीनों लोकों में जीवन की रक्षा से बढ़कर कोई मूल्यवान उपहार नहीं। इसके पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया था, ष्यस्य कृत्यं न जानन्ति मन्त्रं वा मन्त्रितं परे। कृतमेवास्य जानन्ति स वै पण्डित उच्यतेष्ठ साझा किया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जिस व्यक्ति के कार्यों, योजनाओं, गोपनीय विचारों और

रणनीतियों का ज्ञान दूसरों को तब तक नहीं होता, जब तक कि वे सफलतापूर्वक पूर्ण न हो जाएं, ऐसे संयमी, विवेकी और गंभीर व्यक्ति को ही वास्तव में बुद्धिमान कहा जाता है। बीते दिन सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए लिखा गया था, ष्यद् यदेव प्रसक्तं हि वितर्कयति मानवः। अभ्यासात् तेन तेनास्य नतिर्भवति चेतसः।। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि मनुष्य जिस विषय या वस्तु के बारे में बार–बार सोचता है, उसका मन धीरे–धीरे उसी ओर आकर्षित होने लगता है। इसलिए हमें हमेशा अच्छे, शुभ और कल्याणकारी विचारों का ही चिंतन करना चाहिए। इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 28 अगस्त को सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया गया था। तब पीएम ने एक्स पर ष्एष प्रभावो रक्षायाः कथितस्ते युधिष्ठिर। जयदः सुखदश्चैव पुत्रारोग्यधनप्रदः संस्कृत श्लोक लिखा था, जिसका हिंदी अर्थ है कि रक्षा सूत्र के प्रभावों का वर्णन करते हुए कहा गया है कि यह जय, सुख, संतति, आरोग्य एवं ऐश्वर्य प्रदान करने वाला है।

समाज की सोच में बदलाव आना जरूरी–महिला आयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर ने दिल्ली एनसीआर में चलती बस में नाबालिग छात्रा से रेप की निंदा की और कहा कि समाज को मानसिकता बदलने की जरूरत है। विजया किशोर राहटकर ने कहा, श्यह बहुत दुखद घटना है और लड़की के साथ जो हुआ, मैं उसकी कड़ी निंदा करती हूं। सिर्फ यह कहना काफी नहीं है कि वह ठीक नहीं है। आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मेरा मानना है कि पुलिस इस मामले पर काम कर रही है और हमें उन्हें कुछ समय देना चाहिए। हालांकि, आरोपी को तुरंत और कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। हम देख रहे हैं कि पुलिस क्या कार्रवाई करती है। विजया किशोर रहाटकर ने कहा, श्सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी है। समाज के सही ढंग से काम करने में कानून–व्यवस्था अहम भूमिका निभाती है और सरकार के पास इसके लिए अपने सिस्टम हैं। लेकिन, साथ ही समाज की सोच में भी बड़ा बदलाव आना जरूरी है। जब ऐसी समस्याएं आती हैं, तो अगर समाज गलत तरीके से काम करता रहेगा और पूरी तरह से कानून और प्रशासनिक सिस्टम पर निर्भर रहेगा, तो हालात कैसे सुधरेंगे? हमें दोनों पहलुओं पर एक साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, श्जब भी कोई गंभीर घटना होती है या कोई गलत काम करता है, तो ऐसे लोगों के खिलाफ मजबूत सामाजिक दबाव भी होना चाहिए। लोगों को यह साफ कर देना चाहिए कि अगर आप कुछ गलत करते हैं, तो समाज आपके साथ खड़ा नहीं होगा। अगर हम ऐसे मामलों को रोकना चाहते हैं, तो ऐसा सामाजिक दबाव भी जरूरी है। मेरा मानना है कि इस मुद्दे पर सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। पुलिस के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा में एक खाली बस के अंदर ड्राइवर और कंडक्टर ने 16 साल की लड़की के साथ गैंगरेप किया। इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 4 अगस्त को परी चौक के पास हुई थी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि दोनों आरोपियों ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में उन्होंने उसे दिल्ली में कश्मीरी गेट के पास छोड़ दिया। आरोपियों की पहचान ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के तौर पर हुई है। पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि पढ़ाई को लेकर मां की डांट के बाद वह परिवार को बताए बिना घर से निकल गई थी। वह नोएडा के सेक्टर 63 जा रही थी, जहां उसका चचेरा भाई रहता है। इसी बीच नाबालिग के साथ रेप हुआ था।

राहुल गांधी को दलितों के लिए आवाज उठाने का हक : डीके शिवकुमार

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को राहुल गांधी का बचाव किया। राहुल गांधी पर मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली के बाद कथित ष्शुद्धिकरणष पर की गई टिप्पणी के लिए थ्प्त दर्ज की गई थी। शिवकुमार ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें दलितों के लिए आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। पत्रकारों से बात करते हुए ब्ड शिवकुमार ने कहा कि यह एक महान लोकतांत्रिक देश है... राहुल गांधी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जो गलत हुआ है, उसे थ्प्त के जरिए सुधारा जाना चाहिए। चूँकि वह देश के दलितों के लिए आवाज उठा रहे हैं और भाजपा उनके खिलाफ थ्प्त दर्ज कर रही है... विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें बोलने और आवाज उठाने का पूरा अधिकार है, और समाज के सभी वर्गों के साथ खड़े होने का भी अधिकार है। इस बीच, कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज थ्प्त को लेकर बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में ठश्रच् सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ज्ञच्ब्ब् अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि हम मोदी और अमित शाह के तानाशाही रवैये का विरोध कर रहे हैं।

जीडीपी के आंकड़े पर संग्राम : कांग्रेस ने बीयर मग से की तुलना, रिजिजू बोले

भारत की तरक्की से इतनी नफरत क्यों ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की जीडीपी वृद्धि दर अप्रैल–जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही, जिसे सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था की मजबूती और बड़ी उपलब्धि बताया है। वहीं कांग्रेस ने आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की टिप्पणियों का हवाला दिया। इस राजनीतिक बयानबाजी के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार करते हुए पूछा कि क्या पार्टी 'गहरे नशे' में है या भारत की तरक्की से इतनी नफरत करती है कि जमीनी हकीकत से उसका नाता टूट गया है।

रिजिजू ने एक्स पर केरल कांग्रेस की एक पोस्ट का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। केरल कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में लिखा था, 'अब कोई भी इस झूठी कहानी पर यकीन नहीं करता। दुनिया इस धोखे को समझती है।' केरल कांग्रेस ने अपनी पोस्ट के साथ बीयर मग की एक तस्वीर भी साझा की थी। तस्वीर में भारतीय अर्थव्यवस्था को 'असली लिक्विड' और आधिकारिक ळक्ब् आंकड़ों को बीयर के झाग के

रूप में दिखाया गया था। इसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधा। रिजिजू ने कहा, 'क्या कांग्रेस बहुत ज्यादा बीयर पीने की वजह से गहरे नशे में है या कांग्रेस के लोग भारत की तरक्की से इतनी अंधी नफरत करते हैं कि वे जमीनी हकीकत से दूर हो गए हैं?' अप्रैल–जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह आंकड़ा ऐसे समय में आया है, जब पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण आर्थिक मंदी की आशंकाएं बनी हुई हैं। इसके बावजूद जीडीपी के आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर पिछली तिमाही के 8.6 प्रतिशत के मजबूत आंकड़े से कम रही। हालांकि, संघर्ष शुरू होने और ऊर्जा बाजार में आए व्यवधानों के बावजूद 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बाजार की उम्मीदों से कहीं बेहतर रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को 'हुत बड़ी उपलब्धि' बताया है। सरकार की ओर से इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और विकास की रफ्तार के तौर पर पेश किया गया है।

इससे पहले बुधवार को कांग्रेस ने जीडीपी के आंकड़ों को लेकर पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की टिप्पणियों का हवाला देते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि सरकार को यह समझना चाहिए कि च्त (जनसंपर्क) से ळक्ब् की तस्वीर तो चमकाई जा सकती है, लेकिन खुद अर्थव्यवस्था को नहीं।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने सुभाष चंद्र गर्ग का एक वीडियो क्लिप एक्स पर साझा किया। इसमें गर्ग ने दावा किया कि पिछले साल के ळक्ब् आंकड़ों में 6 लाख करोड़ रुपये तक के संशोधन से चालू वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि लगभग 10.3 प्रतिशत हो गई है। गर्ग ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा, 'अगर आपने पिछले साल की ळक्ब् में संशोधन नहीं किया होता, तो मौजूदा कीमतों पर वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत होती।' एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार चाहे अपनी 'मनगढ़ंत जीडीपी ग्रोथ' का कितना भी ढिंढोरा पीटे, जिसे उन्होंने सरकार की टीम और मीडिया द्वारा 'आंकड़ों की बाजीगरी' से तैयार बताया, लेकिन इसकी असलियत सामने आ ही जाएगी।

रेखा गुप्ता ने सुनी लोगों की समस्याएं

दिल्ली,एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से सीधे संवाद किया। उन्होंने एक–एक कर नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को मामलों की गंभीरता के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का दरवाजा जनता के लिए हमेशा खुला रहना चाहिए। नागरिक अपनी समस्या लेकर सीधे सरकार तक पहुंचें, उनकी बात संवेदनशीलता के साथ सुनी जाए और उन्हें समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें यही वर्तमान की दिल्ली सरकार की कार्यसंस्कृति है। जनसुनवाई के दौरान शिक्षा, लंबित पुरस्कार राशि, जलभराव, सीवर, विद्युत सुरक्षा, सफाई, अवैध निर्माण एवं कनेक्शन सहित विभिन्न समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गईं। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच, आवश्यक कार्रवाई और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने तथा लंबे समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने पर जोर दिया। जनसुनवाई में कुछ नागरिकों ने यह भी बताया कि वे पूर्व में संबंधित विभागों के समक्ष शिकायतें दे चुके हैं, लेकिन लंबे समय के बावजूद समाधान नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबे समय से लंबित शिकायतों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा की जाए और जहां भी प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई अपेक्षित है।

बारिश से कच्चा मकान गिरा, गृहस्थी दबी

प्रयागराज। मऊआइमा के गढ़चंपा गांव में बारिश से ग्रामीण संजू यादव का कच्चा मकान गिर गया। इससे घर में रखा गेहूं, चावल और अन्य गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। लेखपाल के निरीक्षण के बाद परिवार को सरकारी सहायता मिलने की उम्मीद है। इधर, कौंधियारा के लहबरा गांव में मंगलवार भोर बारिश से राजीव नारायण मिश्रा का कच्चा मकान गिर गया। परिवार बाल–बाल बच गया, पर गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया। लेखपाल राजकुमार पांडे ने क्षति का जायजा लेकर सहायता का भरोसा दिया। वहीं, कोहड़ारघाट में बारिश से अशोक कुमार गौड़ का मकान जमींदोज हो गया।

जहरीले जंतु के डसने से महिला की मौत

प्रयागराज। बसगढ़ी की पोखरा बस्ती में सोमवार को 65 वर्षीय रामकली की जहरीले जंतु के डसने से मौत हो गई। परिजनों ने डसने के बाद पहले झाड़फूंक कराई। रामकली सोमवार दोपहर करीब तीन बजे अपने कच्चे मकान के टांड़ पर रखे झोले से मिठाई निकाल रही थीं। तभी झोले के पास छिपे किसी जहरीले जंतु ने उन्हें डस लिया। कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। गांव वालों की सलाह पर झाड़फूंक करने वाले को बुलाया गया। 10 मिनट झाड़फूंक के बाद भी हालत नहीं सुधरी। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां मंगलवार को उनकी मौत हो गई।

पानी से भरे गड्ढे में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

प्रयागराज। उत्तरी लोकपुर में स्थित कांशीराम कॉलोनी के पीछे मंगलवार सुबह पानी से भरे गड्ढे में एक युवक का शव मिला। पुलिस ने शव की पहचान कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के शरीर में चोट के निशान मिले है। गंजिया गांव निवासी मुर्तजा के चार बेटों और तीन बहनों में दूसरे नंबर का बेटा 30 वर्षीय मोबिन सोमवार की दोपहर घर से निकला था। देर शाम तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए। मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे उसका शव उत्तरी लोकपुर में पानी से भरे गड्ढे में उतराता मिला। जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शांतिपुरम कॉलोनी की खस्ताहाल सड़कों पर चलना दूभर

प्रयागराज। शांतिपुरम आवासीय कॉलोनी की अधिकतर सड़कों पर चलना दूभर हो गया है। विभाग इनकी मरम्मत नहीं करवा रहा है। कॉलोनी निवासियों ने महंगे प्लॉट लेकर मकान बनवाए हैं और पीडीए उनसे विकास शुल्क भी वसूल चुका है। सड़कों पर गहरे गड्ढे हैं जिनमें पानी और कीचड़ भरा रहता है। इससे पैदल चलना मुश्किल होता है और बड़े वाहनों से गंदे पानी के छींटे पड़ते हैं। लगातार जल जमाव से सड़ांध पैदा हो गई है, जिससे मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियों का अंदेशा है। नालियां पटी होने से पानी सड़क पर बहता है, जिससे सड़कें जल्दी टूट जाती हैं। कॉलोनी के विनोद कुमार मिश्र, आदर्श मिश्र और विजय पटेल ने बताया कि घटिया सामान से मरम्मत होती है और नालियों की सफाई नहीं होती।

सामान खरीदने जा रहे युवक पर हमला, मारपीट कर रुपये छीनने का आरोप

प्रयागराज। बड़गांव चौकी क्षेत्र के बीरापुर पूरा गांव निवासी अनिल कुमार सरोज ने तीन युवकों पर रास्ते में रोककर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और जेब से रुपये निकालने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। अनिल कुमार सरोज के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वह अपनी गोमती बंद करके दुकान के लिए सामान खरीदने जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही तीन युवकों ने नशे की हालत में पहुंचा और उसे रोककर गाली–गलौज करने लगा। विरोध करने पर तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी और उसकी जेब में रखे दो हजार रुपये भी निकाल लिए। मारपीट में अनिल के गले में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने सोरांव थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी सोरांव दीन दयाल सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

पटाखा गोदाम में विस्फोट: पैर की अंगुलियों से पहचान, खेतों में मजदूरों के चीथड़े, 150 मीटर दूर लोहे की कड़ाही

प्रयागराज/कौशांबी। कौशाम्बी के महमूदपुर मनौरी गांव में सोमवार को अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में दो और लोगों की मौत हुई है। लापता दिव्यांग मजदूर के शव के अवशेष से मंगलवार को उसकी पहचान हुई। एक राजमिस्त्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कौशाम्बी के चायल के महमूदपुर मनौरी में पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद लापता बूंदी कारखाने के मजदूर के माता–पिता और उसकी पत्नी दूसरे दिन मलबे में उसे खोजते रहे। पुलिस भी घटनास्थल पर छानबीन कर रही थी। बाद में पिता ने मोर्चरी में रखी पैर की मुड़ी अंगुली देखकर बेटे की पहचान की। पुलिस अब डीएनए जांच से पुष्टि करेगी।

चरवा के पक्सराई गांव निवासी सुनील कुमार कुशवाहा (32) एक पैर से दिव्यांग थे। सुनील की पत्नी रेखा कुशवाहा ने बताया कि पति की अंगुलियां मुड़ी हुई थीं। इस वजह से पहचान हो गई। वह करीब एक माह से बिहिका के धारासिंह केशरवानी के मनौरी कारखाने में साझिया के ज्ञानसिंह के साथ बूंदी बनाने का काम कर रहे थे।

सोमवार को विस्फोट में बूंदी का कारखाना जमींदोज हो गया था। रात करीब नौ बजे जेसीबी से मलबा हटाने के दौरान क्षत–विक्षत पैर मिला था। इसके बाद पुलिस ने पैर को मोर्चरी भेजकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की।

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस ने सुनील के परिजनों को पहचान के लिए मोर्चरी बुलाया। वहां पिता सरजू कुशवाहा ने पहचान की। सुनील की मौत की पुष्टि के बाद रेखा, बहन शोभा, भाभी राजरानी, बेटियां साक्षी व प्रियांशी और बेटे प्रियांश व शनि और बेसुध हैं।

खेतों में मिले मजदूरों के चीथड़े, होगी डीएनए जांचय

हादसे के दूसरे दिन पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल के आसपास खेतों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान शवों के चीथड़े मिले। माना जा रहा है कि इसमें कई मजदूरों के अंग हो सकते हैं। इन्हें डीएनए जांच के लिए सुरक्षित नहीं हुआ है कि घटना के वक्त पटाखा फैक्टरी में कितने मजदूर का काम कर रहे थी कि मलबे के साथ मजदूरों के शरीर के अवशेष भी दूर तक जा गिरे।

150 मीटर दूर खेत में मिली लोहे की कड़ाही

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से मिठाई कारखाने में बूंदी बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली कड़ाही करीब डेढ़ सौ मीटर दूर धान के खेत में जा गिरी थी। पुलिस ने तलाशी के दौरान कड़ाही के साथ बूंदी छनाई का छन्ना बरामद किया। बताया गया कि सुनील इसी कड़ाही में बूंदी बना रहा था।

मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस में सुनील के पिता ने पैर की मुड़ी हुई अंगुली से पहचान की। प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती राजेश की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।–सत्यनारायण, एसपी।

कौशाम्बी के अवैध पटाखा फैक्टरी धमाके में दो और लोगों की मौत

कौशाम्बी के महमूदपुर मनौरी गांव में सोमवार को अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में दो और लोगों की मौत हुई है। लापता दिव्यांग मजदूर के शव के अवशेष से मंगलवार को उसकी पहचान हुई। एक राजमिस्त्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की संख्या 13 हो गई है। उधर, मुख्य आरोपी नौशाद मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके व्यावसायिक प्रतिष्ठान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है।

चरवा कोतवाली इलाके के पक्सराई गांव निवासी सुनील कुमार कुशवाहा (32) घटनास्थल के पास स्थित बूंदी कारखाने में मजदूरी करते थे। वह एक पैर से दिव्यांग थे। हादसे के बाद से लापता थे। सोमवार को मलबे में कुछ क्षत–विक्षत अंग मिले थे। उन्हें मोर्चरी में रखवाया गया था। मंगलवार को सुनील के पैर की मुड़ी हुई अंगुलियां देखकर पिता ने बेटे की पहचान की।

वहीं, विस्फोट में गंभीर रूप से घायल पड़ोसी राजमिस्त्री राजेश कुमार (35) ने प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में दम तोड़ दिया। इधर, पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी नौशाद अली को मंगलवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी के दौरान नौशाद ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद हुए।

इसके साथ ही एक दिन पहले हिरासत में ली गई घटना की अन्य आरोपी शबाना और साइना को जेल भेज दिया गया। दोनों नौशाद के भाई शकील की पत्नी और बेटी हैं। शकील समेत तीन अन्य फरार आरोपियों पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

पिपरी थाना प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मी निलंबित

एयरफोर्स स्टेशन जैसे संवेदनशील इलाके में भारी–भरकम विस्फोटक जमा होने के मामले में पुलिस पर भी कार्रवाई हुई। आईजी अजय कुमार मिश्र ने समय रहते कार्रवाई न करने पर पिपरी थाना प्रभारी विकास सिंह, चायल चौकी इंचार्ज अमित द्विवेदी, चरवा चौकी प्रभारी विनय सिंह, महगांव चौकी प्रभारी अजीत कुमार सिंह, सैनी चौकी प्रभारी अभिषेक गुप्ता, बिदांव चौकी प्रभारी मनीष पाल, तत्कालीन पिपरी थाना प्रभारी शिवचरण राम को निलंबित कर दिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी आरोपियों पर रासुका के तहत कार्रवाई होगी। इनकी संपत्तियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई के साथ अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया जा रहा है।– डॉ. अमित पाल, डीएम

कर्णावती नदी में डेढ़ किमी दूर दोनों किशोरियों के मिले शव

प्रयागराज। कर्णावती नदी में सोमवार को डूबीं शुभी मिश्रा (14) और अर्पिता उर्फ अंकिता तिवारी (14) की तलाश में मंगलवार सुबह परिजनों ने प्रशासन का इंतजार नहीं किया। दो टोलियों में बंटकर नदी के दोनों किनारों से बढ़ते गए।

करीब डेढ़ किलोमीटर दूर चपरतला गांव के सामने एक टोली को नदी में अंकिता के बाल और कपड़े दिखाई दिए, तो दूसरी टोली को कुछ ही दूरी पर शुभी का हाथ पानी से बाहर निकला मिला। दोपहर में डेंगुरपुर गंगा घाट पर एक साथ दोनों की चिताएं जलीं।

सोमवार सुबह 11 बजे कजरी पर्व पर जौ की जरई डुबाने कर्णावती नदी पहुंची पांच किशोरियां तेज बहाव की चपेट में आ गई थीं। ग्रामीणों ने तीन किशोरियों को बचा लिया था, जबकि शुभी और अंकिता लापता हो गई थीं। पीएसी की बाढ़ राहत टीम ने देर शाम तक नदी में तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका था। मंगलवार सुबह अंकिता के पिता राजेश तिवारी उर्फ बबोल, शुभी के चाचा छोटकऊ मिश्र और परिवार के अन्य सदस्य एवं पड़ोसी नदी के पास पहुंचे। चपरतला गांव के सामने करीब 7रू30 बजे नदी के दाहिने किनारे पर परिजनों को पानी के ऊपर अंकिता के बाल और कपड़े दिखाई दिए। वहीं दूसरी टोली को बाएं किनारे पर शुभी का हाथ पानी से बाहर निकला मिला। परिजनों ने दोनों शवों को बाहर निकाला और घर ले गए।

शव घर पहुंचते ही मां सोनी और बहनों श्रेया, सृष्टि, हर्षिता व अर्चिता की चीख–पुकार से माहौल गमगीन हो गया। सूचना पर थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा और तहसीलदार मेजा पवन सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया, लेकिन परिजनों ने इन्कार कर दिया।

दो घंटे से अधिक समय तक समझाने के बाद भी परिजन तैयार नहीं हुए। एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने बताया कि परिजनों के इन्कार के बाद पंचायतनामा की कार्रवाई कर शव उन्हें सौंप दिए गए। दोपहर करीब डेढ़ बजे डेंगुरपुर गंगा घाट पर दोनों किशोरियों की अलग–अलग चिताएं बनाई गईं।

अंकिता के पिता राजेश तिवारी और घटना की सूचना पर नासिक से लौटे शुभी के पिता शैलेंद्र मिश्र ने नम आंखों से बेटियों को मुखाग्नि दीं। इस दौरान भाजपा नेता इंद्रदेव उर्फ राजू शुक्ल, डॉ. रविशंकर पांडेय, प्रधान रविंद्र शुक्ल और कमलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

कजरी पर्व पर जिस सुरवां दलापुर मोहल्ले में बेटियां जरई डुबोने की तैयारी में जुटी थीं, वहां दो किशोरी की मौत के बाद मातम पसरा है। पूर्व प्रधान कमलेश तिवारी ने बताया कि घटना के समय मोहल्ले की कई बेटियां कर्णावती नदी पर जरई डुबोने के लिए मौजूद थीं। हादसे के बाद से सभी भयभीत हैं। दो किशोरी की मौत से मोहल्ले के ज्यादातर घरों में शोक है।

पहले पत्नी और माता–पिता को खोया, अब बेटी की मौत से टूटे राजेश

अंकिता के पिता राजेश तिवारी उर्फ बबोल निजी स्कूल में शिक्षक हैं। वह पहले ही पत्नी और माता–पिता की मौत का गम झेल चुके हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 12 वर्ष पहले पत्नी निर्मला का निधन हुआ था। इसके दो माह के भीतर राजेश के माता–पिता की भी मौत हो गई। इसके बाद तीनों बेटियों के पालन–पोषण की जिम्मेदारी राजेश ने अकेले संभाली। मंगलवार सुबह नदी में अंकिता का शव मिलने के बाद वह बदहवास नजर आए। दोपहर में डेंगुरपुर गंगा घाट पर बेटी को मुखाग्नि देते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

टोंस नदी में मगरमच्छ दिखने से लोगों में दहशत

प्रयागराज। टोंस नदी में एक मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीण और राहगीर दहशत में हैं। नदी के पानी में तैरते मगरमच्छ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, संवाद एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के अनुसार, इसौटा गांव के पास टोंस नदी के किनारे लोगों ने मगरमच्छ को तैरते हुए देखा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के जरिये मगरमच्छ की जानकारी जुटाई जा रही है।

सपा विधायक और प्रदेश सचिव ने पीड़ित परिवार को दी मदद

प्रयागराज। प्रतापपुर बाजार निवासी रामबाबू केसरवानी के इकलौते पुत्र का आकस्मिक निधन हो गया। सोमवार को प्रतापपुर की सपा विधायक विजमा यादव ने परिवार से संवेदना जताई। उनके साथ सपा के प्रदेश सचिव अरविंद केसरवानी भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने पीड़ित परिवार को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा भी दिलाया। विधायक और सपा प्रदेश सचिव ने शासन से जमीन और आवास की सुविधा दिलाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर राजाबाबू केसरवानी, सोमेश केसरवानी आदि रहे।

कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत: अमरनाथ

प्रयागराज। भाजपा यमुनापार की मंडल कार्यसमिति की मंगलवार को पीआईटी कॉलेज बेदौ में कार्यशाला हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने की। इस दौरान काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि मंडल कार्यसमिति सत्यापन का कार्य जन्माष्टमी से पहले पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत हैं। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी आदि रहे। बुधवार को करछना मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष सुखराज सिंह की अध्यक्षता में होगी।

किसान महापंचायत में राशन न मिलने की शिकायतें

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) ने मंगलवार को ग्राम घीनपुर के मोहन का पूरा में महापंचायत आयोजित की। इसमें ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। महापंचायत में कोटेदार द्वारा अंगूठा लगवाने के बाद राशन न देने की सर्वाधिक शिकायतें सामने आईं। ग्रामीणों ने सड़क, खड़ंजा, नाली, आवास और राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं भी बताईं। यूनियन ने मऊआइमा के बीडीओ सुभाष चंद्र को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की।

सात वर्षीय बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रयागराज। गमरहटा निवासी सात वर्षीय अदिति की एसआरएन अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्ची कई दिनों से बुखार से पीड़ित थी लेकिन मौत का चिकित्सकीय कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। अदिति कक्षा दो की छात्रा थी और उसके पिता शिवमंगल यादव ने बताया कि उसे कई दिनों से बुखार आ रहा था। परिजन उसका नजदीकी अस्पतालों में इलाज करा रहे थे, पर हालत में सुधार नहीं हुआ। मंगलवार रात चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आशा कार्यकर्ताओं ने 13 सूत्री मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। विकासखंड कौंधियारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने 13 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सीएचसी अधीक्षक उमेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। आशा कार्यकर्ताओं ने लंबित मानदेय और प्रोत्साहन राशि का भुगतान कराने के साथ पूर्व में हुए समझौते को लागू करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने बताया कि छह फरवरी 2026 को उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के साथ वार्ता में मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन छह माह बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। उन्होंने आधार भुगतान बढ़ाने, लंबित प्रोत्साहन राशि जारी करने, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, स्वास्थ्य सुरक्षा कवर और जीवन बीमा बढ़ाने समेत अन्य मांगें रखीं। मांगों पर जल्द निर्णय नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान शिवकुमारी, रीता, राम मढ़ी पाल, कांति कुशवाहा, राजकुमारी कुशवाहा और रितु पटेल आदि रहे।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

प्रयागराज। भीरपुर निवासी रमेश पांडेय और राजेश पांडेय उर्फ खन्ना ने मंगलवार को एसडीएम संदीप तिवारी से सोशल मीडिया पर अपने प्रतिष्ठान के खिलाफ अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि हाल की जांच में कोई बड़ी अनियमितता नहीं मिली थी। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर मिठाई नष्ट करने की भ्रामक सूचना फैलाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने ईर्ष्यावश उनकी छवि धूमिल करने के लिए गलत जानकारी प्रसारित की है। इस मामले में एसडीएम ने कहा कि उन्हें शिकायत मिल गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राधा–कृष्ण की मनमोहक झांकियों ने मोहा मन, भजनों पर झूमे नौनिहाल

गोवर्धन। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा–कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजकर सभी का मन मोह लिया।

विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी के जीवन पर

आधारित भजन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से संबंधित सुंदर झांकियां कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय प्रबंधक मथुरेश कौशिक, उपप्रबंधक भारत कौशिक, प्रबंधक की धर्मपत्नी संतोष जी, प्रधानाचार्य एम.एल. कौशिक, उपप्रधानाचार्य नीरज दीक्षित, खुशबू मैडम, लोकेन्द्र जोशी, दामिनी मैडम, मितेश सर सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य, धर्म, प्रेम, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार ने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा,3284 पदों पर नियुक्ति की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बारिश के बीच जूनियर असिस्टेंट के 3284 पदों पर भर्ती की मांग को लेकर सैकड़ों अभ्यर्थी बुधवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आवास पहुंचे। अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने और रिजल्ट जारी करने की मांग की। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर डिप्टी सीएम ने अभ्यर्थियों से मुलाकात की और भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने अभ्यर्थियों की आयोग के अध्यक्ष से फोन पर बातचीत भी कराई। बारिश में भीगने के बावजूद अभ्यर्थी डिप्टी सीएम से मुलाकात की मांग पर अड़े रहे। हाथों में पोस्टर लेकर उन्होंने भर्ती में देरी के खिलाफ नारेबाजी की। अभ्यर्थियों का कहना था कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया अटकी होने के कारण हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। अभ्यर्थियों ने बताया कि टीईटी–2023 के आधार पर जूनियर असिस्टेंट के 3284 पदों पर भर्ती होनी है। प्रक्रिया लंबे समय से लंबित होने के कारण अभ्यर्थियों में नाराजगी है। उन्होंने रिजल्ट जारी करने के साथ टाइपिंग परीक्षा कराने की मांग रखी। अभ्यर्थियों ने आयोग के अध्यक्ष के सामने भी अपनी मांग रखी। उन्होंने कहा कि भर्ती में देरी के कारण उनकी तैयारी और भविष्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। सरकार से जल्द रिजल्ट जारी कर टाइपिंग परीक्षा कराने और पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग की गई। अभ्यर्थियों ने चुनाव से पहले भर्ती पूरी कराने की भी मांग रखी। डिप्टी सीएम के आश्वासन के बाद उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रक्रिया में अब तेजी आएगी। हालांकि, अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि रिजल्ट और टाइपिंग परीक्षा की तारीख का इंतजार है।

हत्या के आरोपी का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज के पुरसेनी गांव में बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर 24 साल के युवक का शव मिला। उसकी पहचान गोपालखेड़ा निवासी सचिन कश्यप के रूप में हुई। शव मिलने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई। उनका कहना था कि युवक की हत्या के बाद शव रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। हालांकि, पुलिस की शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस के मुताबिक, सचिन 2023 में गांव के अमन की पीटकर हत्या के मामले में आरोपी था। वह मंगलवार शाम से लापता था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। उन्होंने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में खोजबीन की, लेकिन सचिन का कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह पुरसेनी के पास रेलवे ट्रैक पर सचिन का शव पड़ा मिला। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस मंगलवार शाम से युवक के लापता होने से लेकर शव मिलने तक की पूरी घटना की जांच कर रही है। इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि अभी तक किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई शिकायत या आरोप सामने नहीं आया है। शुरुआती जांच में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को स्वाइन फ्लू,सरकारी आवास में आइसोलेशन

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को स्वाइन फ्लू (एच1एन1) हो गया है। मंत्री को पिछले चार–पांच दिन से बुखार था। जांच में उनकी रिपोर्ट एच1एन1 पॉजिटिव आई है। उन्हें लखनऊ स्थिति उनके सरकारी आवास में आइसोलेशन में रखा गया है। बुधवार सुबह केजीएमयू के डॉक्टरों की टीम उनके घर पहुंची। टीम ने जांच की और फिलहाल घर पर ही इलाज करने की हिदायत दी। उनकी कंडीशन स्टेबल बताई जा रही है। वहीं, परिवार के अन्य सदस्यों और स्टॉफ के सदस्यों की भी जांच के लिए सैंपल लिए जा रहे है। इससे पहले मंगलवार सुबह मंत्री जयवीर सिंह ने केजीएमयू की पैथोलॉजी में सैंपल स्वाइन फ्लू की जांच के लिए दिए थे। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ.केके सिंह ने बताया कि मंत्री जयवीर सिंह की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें घर में आइसोलेट किया गया है। फिलहाल उनकी कंडीशन स्टेबल है और डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी भी कर रही है। मौजूदा समय उन्हें हल्के लक्षण है। इसलिए कोई चिंता की बात नहीं। परिवार के सदस्यों और पर्सनल स्टॉफ की कांटेक्ट ट्रेसिंग भी कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले चार दिनों में 134 नए मरीज सामने आए हैं। मंगलवार को फिरोजाबाद और बदायूं में एक–एक मरीज की मौत की खबर है। हालांकि, इन दोनों मौतों की वजह सिर्फ स्वाइन फ्लू थी या मरीजों को पहले से कोई दूसरी गंभीर बीमारी थी, यह स्पष्ट नहीं है। फिरोजाबाद में 69 वर्षीय व्यापारी की स्वाइन फ्लू से मौत हुई, जबकि बदायूं के बिल्सी क्षेत्र में 73 वर्षीय महिला ने दम तोड़ दिया। दोनों जगह नए केस भी सामने आए हैं। इटावा में दो नाबालिगों में भी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है।

आउटसोर्स कर्मियों के हित में ऐतिहासिक कदम, UPCOS से भर्ती से भुगतान तक की व्यवस्था होगी पारदर्शी एवं डिजिटलः महापौर गणेश केसरवानी

प्रयागराज। लोक भवन, लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) के शुभारंभ, UPCOS पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्चिंग, निगम के लोगो के अनावरण तथा आउटसोर्स कर्मियों को चेक वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण नगर निगम प्रयागराज की नई बिल्डिंग स्थित हॉल में महापौर गणेश केसरवानी ने सहभागिता करते हुए इस ऐतिहासिक पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखते हुए निरंतर सकारात्मक परिवर्तन कर रही है। महापौर ने कहा कि UPCOS प्रदेश में आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन को डिजिटल, पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती से लेकर उनके भुगतान तक की व्यवस्था को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाएगा।

नई व्यवस्था के अंतर्गत GeM पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता एजेंसियों के चयन में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं आउटसोर्स कर्मियों के वेतन, म्थ्थ् एवं म्ैप् से संबंधित रिकॉर्ड एवं भुगतान व्यवस्था को भी

डिजिटल माध्यम से व्यवस्थित किया जाएगा। इससे कर्मचारियों को उनकी सेवा संबंधी सुविधाओं की बेहतर जानकारी एवं सुरक्षा प्राप्त होगी।

महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि UPCOS के माध्यम से आउटसोर्स कर्मियों, सरकारी विभागों और सेवा प्रदाता एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा सेवा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल आउटसोर्स कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्त भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी एवं नगर आयुक्त द्वारा आउटसोर्स कर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा कर्मचारियों को नई व्यवस्था की जानकारी दी गई। महापौर ने सभी आउटसोर्स कर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल, सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं दीं।

महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार कर्मचारियों एवं आउटसोर्स कर्मियों के हितों, सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। न्छब्ै इसी संकल्प को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में विधायक श्री गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक श्री पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद सदस्य श्री सुरेंद्र चौधरी, समस्त माननीय पार्षदगण, जिलाधिकारी श्री मनीष वर्मा, नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज श्री सीलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त श्री शादाब असलम, अपर नगर आयुक्त श्री अरविंद कुमार राय, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री संजय ममगई सहित नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आउटसोर्स कर्मी उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर एंबुलेंस ड्राइवरों ने भाजपा कार्यालय का किया घेराव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में नौकरी बहाली की मांग को लेकर एंबुलेंस ड्राइवरों ने बुधवार दोपहर भाजपा कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य विभाग की अर्थी निकाली। अर्थी पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की तस्वीर लगाई गई थी। उस पर 'इस्तीफा दो' लिखा था। प्रदर्शनकारी 2021 में नौकरी से निकाले गए कर्मचारी हैं। उनका कहना है कि नौकरी जाने के बाद से वे बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। कोरोना काल में जान जोखिम में डालकर सेवाएं देने के बावजूद उन्हें सेवा से हटा दिया गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें इको गार्डन भेज दिया गया। एंबुलेंस चालकों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन–रात सेवाएं दीं। कई कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, लेकिन अब उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया है। 2021 में नौकरी गंवाने के बाद 5 साल से भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक और मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए। विरोध प्रदर्शन करने वाले एंबुलेंस चालकों ने बताया कि प्रदेश में करीब 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी जीवीकेईएमआरआई कंपनी के तहत काम करते हैं। कंपनी कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है। मेंटेनेंस का पैसा भी कंपनी कर्मचारियों के वेतन से काट रही है। विरोध करने वालों को बर्खास्त कर दिया जाता है। कई एंबुलेंस पर फर्जी केस भी दर्ज कराए गए हैं। शरद यादव ने बताया कि एंबुलेंस कंपनी भर्ती के नाम पर 25 हजार और 50 हजार रुपए वसूलती है। ड्राइवर से 25 हजार और टेक्नीशियन से 50 हजार रुपये लिए जाते हैं। कंपनी ने विरोध करने वाले करीब हजारों लोगों को नौकरी से निकाल दिया। कर्मचारियों ने कहा कि 2021 में विरोध करने वाले 3 हजार कर्मचारियों को निकाला गया। अब तक कंपनी करीब 9 हजार लोगों को निकाल चुकी है। स्थिति यह हो गई कि डिलीवरी बॉय के रूप में काम करके परिवार का पेट पाल रहे हैं। प्रदर्शन करने आए अजय अपना हाल बताते हुए रोने लगे। उन्होंने बताया कि 2021 में नौकरी से निकाल दिया गया, जिसके बाद न्याय के लिए दर–दर भटक रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के आवास के 100 चक्कर लगा चुके हैं, मगर सुनवाई नहीं हुई। कोरोनाकाल में हम लोगों ने सेवा दी और इस दौरान लगभग हमारे 100 साथियों की मौत हो गई। हमारे लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। भ्रष्टाचार हो रहा है। शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती।

सांसद अफजाल अंसारी दोनों बेटियों के साथ सील संपत्ति पर कब्जा लेने पहुंचे

लखनऊ (संवाददाता)। गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी बुधवार को अपनी दोनों बेटियों के साथ लखनऊ के डालीबाग की विवादित संपत्ति पर कब्जा लेने पहुंचे। कोर्ट से उनके पक्ष में फैसला आने के बाद नगर निगम और पुलिस की मौजूदगी में संपत्ति सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह संपत्ति माफिया मुख्तार अंसारी और उनके बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी के परिवार से जुड़ी होने के कारण प्रशासन की निगरानी में थी। पहले इस बिल्डिंग का गेट डालीबाग की मुख्य सड़क की तरफ था। अब एलडीए की सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना की बाउंड्री बनने से यह गेट बंद हो गया है। ऐसे में 1090 की तरफ बंधा रोड से संपत्ति में जाने का रास्ता बनाया गया है। मौके पर काफी लोग भी जुटे हैं। संपत्ति को गाजीपुर जिला प्रशासन ने सील किया था। इसके बाद लखनऊ नगर निगम को देखरेख के लिए सौंप दिया गया था। गाजीपुर डीएम के आदेश के बाद नगर निगम की टीम बुधवार को चाबी सौंपने पहुंची। टीम में नायब तहसीलदार राजेंद्र कुमार और लेखपाल भी शामिल रहे। संपत्ति के गेट के सामने काफी कूड़ा पड़ा था। नगर निगम की टीम ने इसे भी हटवाया। इसके बाद संपत्ति का कब्जा सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

ओडोमॉस ने दिन में सक्रिय डेंगू मच्छरों के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 'डेंगू मुक्त भारत' अभियान शुरू किया

मच्छर जनित बीमारियों से बचाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी पहल की शुरुआत

लखनऊ (संवाददाता)। भारत का अग्रणी पर्सनल एप्लिकेशन मच्छर प्रतिरोधक ब्रांड ओडोमॉस ने आज 'डेंगू मुक्त भारत' नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य लोगों को डेंगू की रोकथाम तथा डेंगू फैलाने वाले दिन में सक्रिय मच्छरों से बचाव के महत्व के प्रति जागरूक करना है। स्कूल संपर्क कार्यक्रमों और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से यह अभियान मानसून के दौरान मच्छरों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दैनिक सुरक्षा उपायों को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। यह पहल मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सुरक्षा संबंधी उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में ओडोमॉस के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। उपभोक्ता शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रांड का उद्देश्य परिवारों को डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के जोखिम से बचाव के प्रति जागरूक करना है।इस अभियान के तहत स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को जागरूकता सत्रों के माध्यम से डेंगू फैलाने वाले मच्छरों से प्रभावी बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। इस पहल की शुरुआत लखनऊ स्थित बाल निकुंज इंटर कॉलेज, मोहिबुल्लापुर शाखा में आयोजित एक विशेष जागरूकता सत्र से हुई। जिसमें 300 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस सत्र का संचालन श्रीआयु ज्वाइंट केयर के चिकित्सक डा. राजन वर्मा ने किया। सत्र के दौरान श्री ब्यास आनन्द, हेड कार्पोरेट कम्युनिकेशंस एण्ड सीएसआर डाबर इण्डिया लिमिटेड, कालेज के प्रबन्ध निदेशक एच. एन. जायसवाल, प्रधानाचार्या श्रीमती भगवती भंडारी भी मौजूद रहे। जागरूकता सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. राजन वर्मा ने कहा डेंगू की रोकथाम की शुरुआत जागरूकता और निरंतर सुरक्षा उपायों से होती है।

ईर्ष्या के कीटाणु

(छप्पय)

जिज्ञासा से ज्ञान ज्ञान से छटे अँधेरा।
अंतस उभरे प्रश्न ला रहे सुभग सवेरा।
धर्मयुक्त संवाद बहाकर प्रज्ञा–धारा।
निर्मलता के साथ दिलों का बनें सहारा।
पाप–पुण्य से हो विलग कर्ता कर्म महान है।
लक्ष्य और पुरुषार्थ का मात्र यही विज्ञान है।।

ईर्ष्या के कीटाणु प्रेम करुणा को हरके।
करे शान्ति को भंग अपरहण प्रज्ञा करके।
बता रहे हैं साधु साधना से ही साधक।
कल देते हैं खाक खेल माया का भ्रामक।
जलन त्यागना है कठिन कहते हैं केवल वही।
दिल में रखकर द्वेष को होते हैं जो आग्रही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अमीवर्ष ने यूजीसी – नेट जेआरएफ परीक्षा में हासिल की शानदार सफलता

99.96 परसेंटाइल प्राप्त कर अर्थशास्त्र विषय में अखिल भारतीय स्तर पर 13वाँ स्थान प्राप्त किया

प्रयागराज। इविंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में प्रो उमेश प्रताप सिंह के निर्देशन में शोध कर रहे अर्थशास्त्र के शोध छात्र अमीवर्ष ने यूजीसी –नेट जेआरएफ परीक्षा में कनिष्क शोध फैलोशिप प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। अमीवर्ष ने 300 में से 236 अंक और 99.96 परसेंटाइल प्राप्त किया है तथा अर्थशास्त्र विषय में उनका अखिल भारतीय स्तर (ऑल इंडिया रैंक) पर 13वाँ स्थान है। अमीवर्ष वर्तमान में अर्थशास्त्र विषय में

ईविंग क्रिश्चियन महाविद्यालय से पीएचडी कर रहे हैं। उनका शोध विषय "आयुष्मान भारत योजना और इसकी प्रभावशीलता" है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शोध निर्देशक प्रो. उमेश प्रताप सिंह और मित्रों को दिया।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में श्रृंगार,फूल, भस्म और मेवों से अलौकिक रूप में सजे भगवान शिव

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में श्री बुद्धेश्वर श्रृंगार समूह के तत्वावधान में देवाधिदेव महादेव का अत्यंत भव्य और दिव्य श्रृंगार संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बाबा के मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। धार्मिक अनुष्ठान मुख्य पुजारी रामू पुरी के पावन सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार, विधि–विधान और विशेष पूजन के साथ संपन्न हुआ। मंदिर प्रांगण की संपूर्ण व्यवस्था और देखरेख धीरज बाबा की देखरेख में सुचारू रूप से संचालित हुई।

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04137/04138 ग्वालियर-बरौनी (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, ठहराव एवं मार्ग पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
04137	ग्वालियर - बरौनी	सप्ताह में दो दिन	शनिवार, मंगलवार	26.09.2026	29.09.26 से 28.11.26 तक
04138	बरौनी - ग्वालियर	सप्ताह में दो दिन	रविवार, बुधवार	27.09.2026	30.09.26 से 29.11.26 तक

गाड़ी संरचना। सामान्य श्रेणी-06, चेयर कार-04, स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2032/26(D)

कानपुर सेंट्रल-सर एम.विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04131/04132 कानपुर सेंट्रल-एसएमविटी, बेंगलुरु विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04131 (कानपुर सेंट्रल-सर एम.वि.टर्मि. बेंगलुरु) आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04132 (सर एम.वि.टर्मि. बेंगलुरु-कानपुर सेंट्रल) आगमन	प्रस्थान
-----	16:30	कानपुर सेंट्रल	03:45	-----
17:38	17:40	फतेहपुर	01:05	01:07
20:20	20:30	प्रयागराज	23:10	23:20
21:43	21:45	शंकरगढ़	22:08	22:10
23:03	23:05	हमीरा	21:40	21:42
23:53	23:55	मानिकपुर	21:20	21:22
00:50	00:55	सतना	19:50	19:55
02:30	02:40	कटनी	17:20	17:30
03:55	04:00	मदन महल	16:00	16:05
07:40	07:50	इटारसी	12:35	12:40
15:50	15:55	नागपुर	07:30	07:35
19:55	20:00	बल्हारशाह	03:55	04:00
20:50	20:52	सिरपुर कागजनगर	02:35	02:37
21:20	21:22	बेल्लमपल्ली	02:05	02:07
21:35	21:37	मंचिर्याल	01:50	01:52
23:35	23:40	वरंगल	00:05	00:07
00:45	00:47	खम्मम	22:38	22:40
03:35	03:45	विजयवाड़ा	21:10	21:20
04:45	04:47	चीराला	19:05	19:07
05:18	05:20	ओंगोल	18:23	18:25
06:35	06:37	नेल्लूर	16:38	16:40
09:20	09:30	रेनिगुंटा	14:35	14:45
12:05	12:10	काटपाडी	12:10	12:15
13:43	13:45	जोलारपेट्टै	11:03	11:05
14:43	14:45	बंगारपेट	07:53	07:55
16:23	16:25	कृष्णराजपुरम	07:23	07:25
18:30	-----	एसएमविटी बेंगलुरु	-----	07:10

● कानपुर सेंट्रल से गाड़ी संख्या 04131, प्रत्येक रविवार, दिनांक : 04.10.2026 से 15.11.2026 ● सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मि., बेंगलुरु से गाड़ी संख्या 04132, प्रत्येक बुधवार, दिनांक : 07.10.2026 से 18.11.2026

गाड़ी संरचना : स्लीपर श्रेणी : 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 01, सामान्य श्रेणी : 09

नोट : ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 2030/26 (AS)

सम्पादकीय.......

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक–परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ. प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर–63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर–63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक–परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक–परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई? वहीं दूसरी ओर इंसान के पतन की पराकाष्ठा दिल्ली के बवाना इलाके में सामने आई, जहां स्कूल बस चालक को नर्सरी की एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने पर गिरफ्तार किया गया है। घटना 19 अगस्त को सामने आई जब नर्सरी की छात्रा के परिजनों ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। बच्ची ने अपनी मां को स्कूल के एक गंदे अंकल के बारे में बताया जो उसे चॉकलेट देता था। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद बस चालक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार बच्ची से चार बार यौन दुर्व्यवहार किया गया था। किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली ये घटनाएं जहां समाज में भरोसे को तोड़ती हैं, वहीं कानून व्यवस्था के प्रश्न को भी उठाती हैं। इन मुद्दों पर राजनीति भी जमकर शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि डबल इंजन सरकार में दिल्ली रेप कैपिटल बनती जा रही है। इसके बावजूद कि दिल्ली में एक महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं कुछ राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि जनता की सुरक्षा व अपराध रोकने के कार्य के बजाय पुलिस पर अन्य कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने मामले की तह तक जाकर अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई में तेजी दिखायी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे जागरूक रहें और ऐसी घटनाओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि भारत में यौन लिप्साओं के विस्फोट की असली वजह क्या है? क्यों किन्हीं कमजोर स्थितियों में महिला, लड़की व बच्ची की उम्र का भी लिहाज न कर, यौन हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है? हमारा समाज पतनोन्मुखी क्यों होता जा रहा है? क्या यौन अपराधों के मूल में मोबाइल में इंटरनेट के जरिये परोसी जा रही यौन उत्तेजक सामग्री है? देश के समाज विज्ञानियों को इस गंभीर प्रश्न पर मंथन करना होगा।

युवाओं के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी बदलाव से गुजर रहा है भारत

डॉ. अरुण मित्रा

भारत के आजादी की लड़ाई के दौरान, 1857 का विद्रोह ब्रिटिश साम्राज्यवाद के लिए एक मजबूत और तेज चुनौती थी, जिसके साथ बहुत बड़ी कु र्बानी भी देनी पड़ी थी। हालांकि, अपनी हार के बाद, ब्रिटिश सरकार के कड़े दबाव और उससे मिली निराशा के कारण आंदोलन कमजोर पड़ गया। एक संगठित देशव्यापी आंदोलन को फिर से विकसित होने में कई दशक लग गए। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, जिसके मुख्य संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे और जिसमें दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, दिनशॉ वाचा, फिरोजशाह मेहता और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे अहम भारतीय नेता थे, एक अहम घटना थी। उमेश चंदर बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती कांग्रेस ने राजनीतिक चेतना पैदा करने, भारतीयों को एकजुट करने, प्रशासन और विधायिका में ज्यादा प्रतिनिधित्व पक्का करने और संवैधानिक सुधारों की मांग की। धीरे–धीरे इस आन्दोलन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंदर ही अंदर चर्चाएं होने लगीं। श्गरम दल और नरम दल्य के रूप में मजबूत बहसें होने लगीं। 1905 में जब अंग्रेजों ने सांप्रदायिक आधार पर बंगाल को बांट दिया, तो एक मजबूत श्बंग भंग विरोधीय आन्दोलन हुआ। सभी धार्मिक ग्रुप के लोग अंग्रेजों की साजिशों का विरोध करने के लिए एक साथ आए। फिर जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इसके बाद असहयोग आन्दोलन शुरु हुआ। यह 1921 की बात है जब ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूरी आजादी की मांग की। उस दौरान पूरे देश में मजदूर आन्दोलन हुए। मौलाना हसरत मोहानी ने 1921 में मशहूर क्रांतिकारी नारा श्इंकलाब जिंदाबाद्य गढ़ा और अंग्रेजों से पूरी आजादी (आजादी–ए–कामिल) की मांग की। आजादी की लड़ाई को बाद में क्रांतिकारी आंदोलन, गदर आंदोलन, कम्युनिस्ट आंदोलन, मजदूरों और किसानों के संघर्ष, महिलाओं की भागीदारी और कई दूसरे लोकप्रिय आंदोलनों से ताकत मिली। हालांकि, समय के साथ कांग्रेस की राजनीति बदली, और 1929 के लाहौर सेशन में, पूर्ण स्वराज इसका औपचारिक लक्ष्य बन गया। आजादी के बाद भी, लोगों के अधिकारों के लिए आंदोलन जारी रहे, जिसमें छात्रों और युवाओं ने अहम भूमिका निभाई, खासकर 1980 के दशक तक। हालांकि, 1980 के दशक के बाद, छात्र आंदोलन काफी कमजोर हो गए। उसी समय, भारत की आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव हुए। दशक के आखिर तक, निजी पूंजी और कॉर्पोरेट के पक्ष में नीतियां जोर पकड़ रही थीं। पी. वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों के तहत इन नीतियों को मजबूत किया गया और डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में और तेजी आई। भारतीय अर्थव्यवस्था कई मामलों में बेहतर हुई, लेकिन आर्थिक विकास का फायदा बहुत असमान रूप से बंटा हुआ था। दौलत तेजी से एक जगह इकट्ठा होती गई, जबकि समाज का बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर बना रहा। पढ़ाई–लिखाई लगातार महंगी होती गई, उच्च शिक्षा तक पहुंचना मुश्किल होता गया, और नौजवानों के लिए नौकरी के मौके लगातार पक्के नहीं रहे। नरेंद्र मोदी और भाजपा के सत्ता में आने के बाद, ये रूझान और तेज हो गए। रुपये और अन्य संसाधन तेजी से कुछ कॉर्पोरेट ग्रुप के हाथों में जमा होते गए। यूपीए के शासन के समय में, भारत की समस्याओं की मुख्य वजह भ्रष्टाचार को बताया गया, जबकि नरेंद्र मोदी को एक मजबूत नेता के तौर पर दिखाया गया जो देश को तेजी से बदल देगा। 2014 के बाद, आर्थिक मुश्किलों, बेरोजगारी और दूसरी नाकामियों के लिए अक्सर पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि यह भावना भरी जाने लगी कि भारत को अपनी असली आजादी 2014 के बाद ही मिली। साथ ही, साम्प्रदायिक बातों ने बेरोजगारी, महंगाई और यहां तक कि सामाजिक समस्याओं को भी मुसलमानों से जोड़ दिया। इससे नफरत और हिंसा का माहौल बना और भारत का सामाजिक ताना–बाना कमजोर हुआ। लेकिन ऐसी बातें हमेशा नहीं चल सकतीं। छात्र और नौजवान, जो दशकों से काफी हद तक सुस्त रहे थे, अब अपनी असली समस्याओं कृ बेरोजगारी, महंगी शिक्षा, गैर–बराबरी, मौकों की कमी और लोकतांत्रिक आजादी पर पाबंदियों कृ को पहचानने लगे हैं। हाल के छात्र और नौजवानों के विरोध प्रदर्शन इस बदलती सोच की ओर इशारा करते हैं। युवाओं के बारे में अपमानजनक बातों, किसानों की मांगों को संभालने के तरीके और असहमति को दबाने के कथित तरीके को लेकर गुस्सा बढ़ गया है। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और कुछ दूसरे संगठन इन मुद्दों को उठाते रहे। यही एक कारण था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के युवाओं को कथित तौर पर श्कॉकरोचय कहने का बड़े पैमाने पर विरोध हुआ और कॉकरोच संगठन बनाया गया। इसके बाद जंतर–मंतर पर प्रदर्शन हुआ। सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने और उसके बाद प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई ने युवाओं के बीच इस भावना को और मजबूत किया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने का उनका अधिकार खतरे में है। अधिकारियों के रवैये, जिसमें जरूरत से ज्यादा बल का प्रयोग और प्रदर्शनकारियों को बदनाम करने की कोशिशें शामिल हैं, ने लोकतंत्र की स्थिति को लेकर जनता की चिंता को और बढ़ा दिया है। पीछे हटने के बजाय, छात्र और युवा एकजुट होते रहे हैं। उनकी बढ़ती भागीदारी से संकेत मिलता है कि जन–जागरूकता का एक नया दौर शुरू हो सकता है। एक खास तौर पर सकारात्मक बात यह है कि युवा सांप्रदायिक राजनीति को नकार रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री द्वारा आलोचकों और सवाल उठाने वाले नागरिकों को श्मेंटल नक्सल्य (मानसिक नक्सली) करार देने की कोशिशों ने युवाओं और छात्रों को और नाराज किया है। हालांकि, यह मुद्दा किसी खास सरकार या राजनीतिक पार्टी से कहीं ज्यादा गहरा है। पूंजीवाद अकेले गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय या अवसरों की असमानता को हल नहीं कर सकता। शोषणकारी व्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से लोगों की एकता को कमजोर करने के लिए धर्म, क्षेत्र, जाति, जनजाति, भाषा और अन्य पहचानों के आधार पर बंटवारे का इस्तेमाल किया है। श्फूट डालो और राज करोय की औपनिवेशिक नीति सिर्फ ब्रिटिश शासन तक ही सीमित नहीं थी। शासक और शोषणकारी वर्गों ने अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए बार–बार सामाजिक बंटवारे का इस्तेमाल किया है। मजदूरों और अन्य शोषित वर्गों की धार्मिक, क्षेत्रीय, जातीय या सांस्कृतिक पहचान अलग–अलग हो सकती है, लेकिन वे एक ही तरह के आर्थिक शोषण का सामना करते हैं। उनकी पहचान का सम्मान और उनकी सुरक्षा होनी चाहिए, लेकिन ये पहचान एकजुटता में बाधा नहीं बननी चाहिए। इसलिए भारत एक महत्वपूर्ण बदलाव का गवाह बन रहा है।

छात्र और युवा आंदोलनों का फिर से उभरना, सांप्रदायिक आख्यान पर सवाल उठाना और लोकतांत्रिक अधिकारों की बढ़ती मांग बदलती सामाजिक चेतना के संकेत हैं। आज जरूरत इस बात की है कि लोकतांत्रिक और प्रगतिशील आंदोलनों को मजबूत किया जाए और मजदूरों, किसानों, छात्रों, युवाओं और सभी शोषित वर्गों को उनके साझा हितों के लिए एकजुट किया जाए। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदाय से परे एकता पर आधारित एक मजबूत मजदूर–वर्ग आंदोलन की आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।

अमेरिका में भागवत, विवेकानंद नंबर टू या पाखंडी नंबर वन!

राजेंद्र शर्मा

अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहीं।य और यह भी कि, अगर कोई खुद को हिंदू कहता है, तो उसे यह मानना होगा कि रास्ते (पूजा पद्धतियां) अलग–अलग हैं, पर एक ही लक्ष्य को जाते हैं। हिंदू की यह परिभाषा और पहचान, किसी और ने नहीं, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयार्क के अपने दौरे पर पेश की है। जाहिर है कि हिंदू और हिंदुत्व की इस तरह की उदार परिभाषा पेश करने के जरिए, संघ प्रमुख न सिर्फ आरएसएस की बल्कि उसके द्वारा सख्ती से नियंत्रित मोदी शासन की भी, इसके लिए दुनिया भर में हो रही आलोचनाओं को नकारने की कोशिश कर रहे थे कि वे असल में हिंदू सर्वोच्चतावादी राज और राजनीति के प्रतिनिधि हैं, जो हर प्रकार के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की दुश्मन है। बहरहाल पश्चिम में आरएसएस–मोदी राज के धर्मनिरपेक्ष मेकओवर की यह कोशिश, कारगर होती नजर नहीं आती है। इसकी मोटे तौर पर दो बड़ी वजहें हैं। पहली तो यही कि यह कोशिश बढ़ती संख्या में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक अधिकार तथा मानवाधिकार संगठनों ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों द्वारा भी, मोदी के राज में धार्मिक अल्पसंख्यकों समेत विभिन्न कमजोर तबकों के साथ बढ़ते भेदभाव तथा उनके अधिकारों पर बढ़ते हमलों की, एक के बाद लगातार आ रही रिपोर्टों के दबाव में की जा रही थी। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) के मोदी राज को साल दर साल धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति के पहलू से श्गंभीर चिंताय का विषय घोषित करने और हर बार अमेरिकी सरकार पर इस सिलसिले में भारत पर दबाव डालने के लिए पाबंदियां लगाने की मांग करने के बाद, अब संयुक्त राष्ट्र संघ की कमेटी ऑन एलीमिनेशन आफ रेशियल डिस्क्रिमिनेशन (सीईआरडी) ने भी अपनी समीक्षा रिपोर्ट में, भारत की स्थिति को श्गंभीर चिंताय का विषय कहा है। परदेश में मोदी राज और उसके वाहक के रूप में आरएसएस के इस मेकओवर के लोगों को भ्रमित न कर पाने की और भी बड़ी वजह, इस राज तथा आरएसएस का वास्तविक आचरण है, जो आरएसएस के मेकओवर की इस कोशिश को, एक भोंडे प्रहसन में तब्दील कर देती है। यह संयोग ही नहीं है कि ठीक उस समय जब मोहन भागवत अमेरिका में यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनकी हिंदू राष्ट्र्ड की परिकल्पना तो सर्वसमावेशी है, ठीक उसी समय सत्ताधारी भाजपा का आईटी सेल, देश में एक ऐसा नया आक्रामक वीडियो रील अभियान छेड़ रहा था, जिसकी एक और सिर्फ एक ही थीम हैकृविरोधियों के खिलाफ भयानक हिंसा। लेकिन, सत्ताधारी पार्टी के प्रचार आह्वड्डान में हिंसा के स्वर का बढ़ना ही, अकेला बदलाव नहीं था जो भारत में ठीक उसी समय हो रहा था, अमेरिका में भागवत एक झूठा उदार मुखौटा लगाने की कोशिश कर रहे थे। जब अमेरिका में भागवत यह कह रहे थे कि अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहींय ठीक उसी समय भाजपा–शासित उत्तराखंड और ओडिशा से इसकी रिपोर्टें आ रही थीं कि किस तरह, इस दौरान जारी एसआईआर की प्रक्रिया को, टार्गेट कर के मतदाता सूचियों से मुसलमानों के नाम काटे जाने के मौके में तब्दील किया जा रहा है। उधर चंद महीने पहले संघ–भाजपा द्वारा फतेह किए गए प. बंगाल में, एक ओर चर्चों तथा पादरियों पर हिंसक हमलों की शुरूआत हो रही थी और दूसरी ओर, दुर्गा पूजा के बंगाली प्रभावों से शुद्धीकरण की मुहिम छेड़ी जा रही था। जब भागवत इसका उपदेश कर रहे थे कि, श्हरेक मनुष्य की गरिमा का सम्मान होना चाहिए, ठीक तभी उनके संघ पोषित राज में उत्तराखंड में, देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष के दलित होने के कारण, उनकी सभा के बाद सभा मंच का बाकायदा यज्ञ कर के श्शुद्धीकरणश किए जाने के बाद, सत्ताधारी पार्टी के नेतागण उसका बचाव करने से लेकर, उसे झुठलाने तक में लगे हुए थे, जबकि देश के कानून के अनुसार यह संज्ञेय अपराध है।

लघुकथा

स्मार्ट मम्मा

"मम्मा! भूख लगी है," प्रियांशु ने अंजू का पल्लू खींचा। दफ़्तर के काम से थके अनिल के सामने पड़ोस के अग्रवाल साहब के घर का दृश्य घूम गया, जहाँ स्विगी-ज़ोमैटो के नाम पर होने वाला शोर अक्सर आ जाता था। अनिल घबराया, क्योंकि घर का माहौल भी तनावपूर्ण था और बच्चे का चेहरा बुझा था।

अंजू ने मुस्कुराकर प्रियांशु को गले लगाया। माहौल हल्का होते ही वह चहका, "मुझे फ्राइड राइस और पराठा खाना है!"

अंजू रसोई से सादे छौंके चावल और रोटी-रोल ले आई। उसके प्यार भरे व्यवहार से अनिल का तनाव भी छूमंतर हो गया। अनिल ने पूछा, "तुम माहौल इतना ख़ुशनुमा कैसे बना लेती हो?"

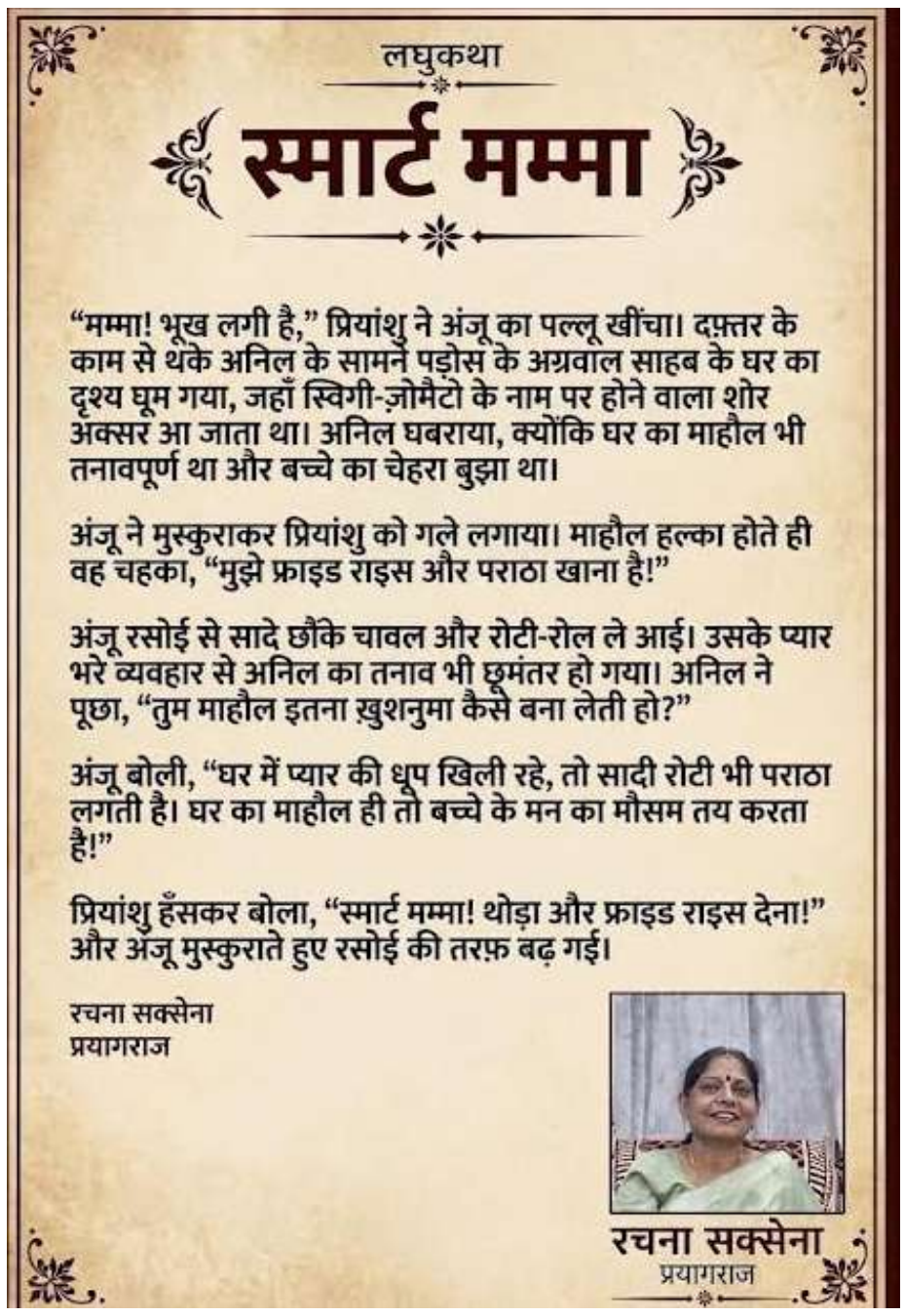

अंजू बोली, "घर में प्यार की धूप खिली रहे, तो सादी रोटी भी पराठा लगती है। घर का माहौल ही तो बच्चे के मन का मौसम तय करता है!"

प्रियांशु हँसकर बोला, "स्मार्ट मम्मा! थोड़ा और फ्राइड राइस देना!" और अंजू मुस्कुराते हुए रसोई की तरफ़ बढ़ गई।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

रचना सक्सेना
प्रयागराज

अंधेरे को उजाला बताने के उल्टे दिन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड में दलित होने के कारण जो भेदभाव हुआ, उस पर 29 अगस्त को राहुल गांधी ने आवाज उठाई और बताया कि छुआछूत कानूनन अपराध है, ऐसा करने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो, तो 30 अगस्त को राहुल गांधी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। कहा गया कि उन्होंने दलितों की भावना का अपमान किया है। मोदी सरकार में किस तरह विनाश को विकास, तकलीफों भरे दिन को अच्छे दिन, तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतांत्रिक पहचान यानी अंधेरे को उजाला कहा जा रहा है, यह उसी का एक उदाहरण है। दिसम्बर 2024, संसद के शीतकालीन सत्र में जब गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि श्अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है इतना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग मिल जाता।य तब इस बयान के बाद ही देश को समझ जाना चाहिए था कि भाजपा के मन में संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है और दलितों को वह बराबर मानती है। वेदों से लेकर मनुस्मृति तक हिंदू समाज के लिए निर्धारित वर्णव्यवस्था पर ही भाजपा का यकीन है। हल्द्वानी में यही नजर आया। आठ अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस रामलीला मैदान के मंच से सार्वजनिक सभा की थी, उसका शुद्धिकरण 11 अगस्त को किया गया था। कुछ लोगों ने हवन–यज्ञ और श्शुद्धिकरणय कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में गंगाजल का छिड़काव भी किया गया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस की कथित मानसिकता पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा की ओर से कहा गया कि रैली के बाद मैदान में गंदगी थी और धार्मिक स्थल पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे, इसलिए वहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया। आपत्तिजनक नारों को समुदाय विशेष से जोड़ा गया। जबकि 13 अगस्त को खुद श्री खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाया था। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें आज तक किसी के संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन हल्द्वानी की घटना ने उन्हें अस्पृश्यता का अहसास कराया है। खड़गे ने कहा था कि रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और उन्होंने अपने भाषण में किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया था। इसके बावजूद उनके जाने के बाद मंच पर हवन किया गया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा इस तरह की किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती और इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसी घटना हुई है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। फिलहाल देश को आज की तारीख तक पता नहीं है कि इस मुद्दे पर भाजपा ने कोई जांच कराई या नहीं। उत्तराखंड और केंद्र दोनों जगह भाजपा की ही सरकारें हैं, केन्द्रीय मंत्री या भाजपा अध्यक्ष चाहते तो कुछ मिनटों में सारी जांच–पड़ताल शुरु हो जाती, लेकिन 29 अगस्त तक भी खड़गेजी के साथ हुए भेदभाव पर कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई, तो फिर कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें उन्होंने न केवल मल्लिकार्जुन खड़गे बल्कि टीकाराम जूली और जीतनराम मांझी जैसे नेताओं के साथ घटी घटनाओं का भी जिक्र किया, जिसमें उनके मंदिर जाने के बाद शुद्धिकरण किया गया था। राहुल गांधी ने बताया था कि स्कूलों में केवल दलित होने के आधार पर छोटे बच्चों से झाड़ू लगवाने या शौचालय साफ करवाने का काम करवाया जाता है। चाय की गुमटियों में दलितों को कागज के कप में चाय दी जाती है। दलितों को उसी कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, जहां तथाकथित ऊंची जातियों के लोग आते हैं। दलित दूल्हा घोड़ी पर नहीं चढ़ सकता, अगर चढ़े तो उसे सुरक्षा उपाय करने पड़ते हैं। इन सारी घटनाओं को केवल मुंहजुबानी राहुल गांधी ने नहीं कहा, बल्कि उनके वीडियो और तस्वीरें भी दिखा दीं। भाजपा के मन में अगर संविधान को पूरी तरह लागू करने की भावना होती और दलितों के साथ चले आ रहे सदियों पुराने भेदभाव को खत्म करने की इच्छाशक्ति या नीयत होती तो वह खुद इस मामले में राहुल गांधी का साथ देती। जैसे कांग्रेस पार्टी ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने में भाजपा का साथ दिया, क्योंकि मुद्दा सही था। वैसे ही भाजपा समेत बाकी सभी दलों को दलित उत्पीड़न के मुद्दे को केंद्र में लाने पर राहुल गांधी का साथ देना चाहिए था। लेकिन मोदी सरकार ने फिर से उल्टी गंगा बहाने की कोशिश की। हल्द्वानी पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में आरोप है कि राहुल गांधी ने 29 अगस्त को दिल्ली में प्रेस कॉन्ल्लफ्रेंस के दौरान हल्द्वानी में हुए श्शुद्धीकरणय कार्यक्रम को छुआछूत और दलितों के खिलाफ भेदभाव के तौर पर पेश किया। शिकायतकर्ता अमित कुमार का कहना है कि इससे अनुसूचित जाति समुदाय की भावनाएं आहत हुईं, क्योंकि उसके मुताबिक उस सफाई और हवन में अनुसूचित जाति के लोग भी शामिल थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि श्री खड़गे की रैली के बाद वहां गंदगी और शराब की बोतलें मिली थीं। इसके बाद 11 अगस्त को स्थानीय लोगों और खुद शिकायतकर्ता ने मैदान की सफाई और वहां धार्मिक अनुष्ठान कराया था। शिकायतकर्ता ने खुद को अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित बताते हुए कहा कि कार्यक्रम में अलग–अलग वर्गों के लोगों के साथ अनुसूचित जाति के लोग भी शामिल थे और इस कार्यक्रम का खड़गे की जाति से कोई संबंध नहीं था। वहीं श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास के सदस्य विनोद आर्य ने शुद्धिकरण कार्यक्रम का बचाव किया है। उनका कहना है कि सनातन परंपरा के अनुयायी के रूप में जिस स्थान पर भगवान श्रीराम की पूजा और धार्मिक आयोजन होते हैं, वहां स्वच्छता सुनिश्चित करना उनका अधिकार और कर्तव्य है। आर्य ने कहा कि वह खुद दलित हैं और उनके साथ दलित समुदाय के अन्य लोग भी इस गतिविधि में शामिल थे। उनके मुताबिक उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। इस पूरे प्रकरण में नजर आ रहा है कि राहुल गांधी को घेरने के लिए भाजपा ने दलित अपमान जैसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का हथियार बनाया है। राहुल गांधी पर पहले भी पचासों एफआईआर और मानहानि के मुकदमे हो चुके हैं। उनकी संसद सदस्यता तक मोदी सरकार ने खत्म करने की चालाकी दिखा दी, लेकिन इन सब के बावजूद राहुल गांधी के उठाए मुद्दों का जवाब देने के लिए भाजपा खुद को तैयार नहीं कर पाई है, क्योंकि उसके लिए संविधान मायने ही नहीं रखता।

साधना की 85वीं बर्थ एनिवर्सरी पर सायरा बानो ने किया याद, पोस्ट शेयर कर लिखा खास नोट

> उन्होंने लिखा कि साधना, एस मुखर्जी के फिल्मालय स्टूडियोज की बेहतरीन खोजों में से एक थीं। उन्होंने कहा कि 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' में साधना का शानदार काम आज भी लोगों के दिलों और यादों में हमेशा के लिए बसा हुआ है।

आज सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर साधना के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने साधना को 'भारतीय सिनेमा की बेहतरीन कलाकारों में से एक' बताया। सायरा बानो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साधना के साथ–साथ राज कपूर और माला सिन्हा जैसे सितारों के साथ की कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ सायरा ने लिखा, 'उनके जन्मदिन पर साधना की प्यारी याद में। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन कलाकारों में से एक और बेहद गर्मजोशी और शालीनता से भरी शख्सियत।' सायरा बानो ने साधना के शानदार फिल्मी करियर को याद करते हुए उनकी फिल्मों 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि साधना, एस मुखर्जी के फिल्मालय स्टूडियोज की बेहतरीन खोजों में से एक थीं। उन्होंने कहा कि 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' में साधना का शानदार काम आज भी लोगों के दिलों और यादों में हमेशा के लिए बसा हुआ है। वहीं सायरा बानो खुद भी हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने साल 1961 में फिल्म 'जंगली' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने शागिर्द, दीवाना, सगीना, आई मिलन की बेला, पड़ोसन, हेरा फेरी और गोपी जैसी फिल्मों में काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई। एक्टिंग से संन्यास लेने से पहले उनकी आखिरी फिल्म 'फैसला' थी, जो 1988 में रिलीज हुई थी। सायरा बानो की शादी हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार से हुई थी। सायरा बानो को हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्रियों में भी गिना जाता है। साल 2022 में उन्हें '75 बेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेसेस' की लिस्ट में भी शामिल किया गया था।

एक तरफ पुरानी यादें, दूसरी तरफ मां बनने की खुशी...करिश्मा तन्ना ने शेयर किया स्पेशल पोस्ट

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अगस्त को अलविदा कहते हुए पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने अगस्त 2025 की कुछ झलकियां शेयर कीं और साथ ही यह भी बताया कि अगस्त 2026 उनके परिवार में नए सदस्य के आने की वजह से कितना खास रहा है। करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर अपने पति वरुण बंगेरा के साथ 2025 की खूबसूरत छुट्टियों की कई तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के शुरुआती दिनों की कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं जिनमें उनका बेबी बंप दिख रहा था। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, अगस्त 2025 की यादों को भी संजो रही हूं। क्योंकि अगस्त 2026 हमारे परिवार में नए सदस्य के आने से भरा हुआ है। हैलो सितंबर। करिश्मा और उनके पति वरुण 29 जुलाई को माता–पिता बने और उन्होंने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया। कपल ने एक जॉइंट इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह खुशी की खबर शेयर की। उन्होंने बताया कि उनके बेटे का जन्म गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर, 29 जुलाई को हुआ था। उन्होंने बच्चे के पैरों की एक मोनोक्रोम (ब्लैक एंड व्हाइट) तस्वीर शेयर की, जिसमें पैरों की उंगलियों से बंधे एक टैग पर ही इज हियर (वह आ गया है) लिखा था। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था, बेटा हुआ है ! करिश्मा और वरुण। हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद। 29 जुलाई 2026। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन जन्म हुआ... हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद हमारे बीच है। 29 जुलाई 2026, हमारी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, नन्हे मेहमान। करिश्मा और वरुण। करिश्मा और वरुण ने 2021 में डेटिंग शुरू की और 2022 में मुंबई में शादी कर ली। उनके रिश्ते की शुरुआत न्यू ईयर ईव (नए साल की पूर्व संध्या) की पार्टी से हुई थी, जहां फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने उन्हें मिलवाया था। क्योंकि सास भी कभी बहू थी की एक्ट्रेस, जो मल्होत्रा के साथ पार्टी में गई थीं, वरुण से पहली बार उसी इवेंट में मिली थीं। कपल ने इस साल अप्रैल में इंस्टाग्राम पर प्यारी तस्वीरें शेयर करके अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। करिश्मा ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी से लेकर नागिन 3 और कयामत की रात जैसे शो में अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। उन्होंने ग्रैंड मस्ती, राजकुमार हिरानी की संजू और सूरज पे मंगल भारी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्हें अपने ओटीटी शो हश हश के लिए भी काफी पसंद किया गया और हंसल मेहता की सीरीज स्कूप से उन्हें बड़ी कामयाबी मिली।

बैंगनी और सफेद साड़ी में मोनालिसा ने फैंस को चौंकाया

मोनालिसा ने एक बार फिर अपने फैंस को अपनी तस्वीरों से चौंका दिया है। अभिनेत्री ने साड़ी में कई बेहतरीन पोज दिए हैं। उनके फैंस तस्वीरों की सराहना कर रहे हैं। भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने सफेद और बैंगनी रंग की साड़ी में कई शानदार पोज दिए हैं। उनकी तस्वीरों पर उनके फैंस अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने सफेद और बैंगनी रंग की साड़ी में कई तस्वीरें शेयर की हैं। साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग ज्वेलरी पहनी है। उन्होंने खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनको देखने से लगता है कि अभिनेत्री ने किसी पार्क में पोज दिए हैं। एक तस्वीर में वह पार्क में लगे झूले को पकड़ कर पोज दे रही हैं। इसमें वह अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं एक और तस्वीर में वह सामने से अपना स्टाइल दिखा रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा जब आपका दिल खुश हो और आपका दिमाग फ्री हो। अभिनेत्री की तस्वीरों पर कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्हें खूबसूरती की रानी कहा है। एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा मैम आप बहुत मसूम और खूबसूरत दिखती हो। एक और यूजर ने उनकी फिटनेस की तारीफ की है।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को भाई हुंकार– द रोर, अनीत पड्डा की अपकमिंग सीरीज पर दी ऐसी प्रतिक्रिया

अनीत पड्डा और फातिमा सना शेख नई सीरीज हुंकार द रोर में नजर आने वाली हैं। बीते कल इसका टीजर ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस सीरीज के ट्रेलर को बॉलीवुड के मशहूर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण का समर्थन मिला है। मंगलवार को शो का टीजर ट्रेलर लॉन्च होने के बाद, दीपिका और रणवीर ने सोशल मीडिया पर अपना उत्साह जाहिर किया और टीम का हौसला बढ़ाया। रणवीर ने सबसे पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर क्लिप शेयर करते हुए लिखा, श्बैंग एलएफजी। इसके बाद दीपिका पादुकोण ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ट्रेलर टीजर शेयर किया और निर्देशक करण डी कपाड़िया को टैग करते हुए इस प्रोजेक्ट के लिए अपना समर्थन दिखाया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नई सीरीज हुंकार 17 साल की मीनू रावत की कहानी दिखाती है। जाने–माने पंथ गुरु सुनील चाकोसी श्बापजीश पर उसके आरोपों से एक बड़ी और अहम जांच शुरू होती है, जो जल्द ही पूरे देश में चर्चा का विषय बन जाती है। ये तीनों एक ही सच को सामने लाने के लिए अलग–अलग मोर्चों पर लड़ते नजर आते हैं– एक पुलिस की जांच में, दूसरा कोर्ट में और तीसरा मीडिया के जरिए। सीरीज का निर्देशन करण डी. कपाड़िया, नित्या मेहरा और हीराज मरफातिया ने किया है।

मेकर्स के एक बयान के मुताबिक, यह सीरीज पुलिस की जांच की तेजी, कानूनी ड्रामा के दांव–पेच और मीडिया ट्रायल की पेचीदगियों को एक साथ लाती है। रोमांटिक फिल्म सैयारा से मशहूर हुईं अनीत ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अपने बॉलीवुड डेब्यू से काफी पहले ही कर ली थी। इसे लेकर उत्साहित अनीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पेश है एक छोटी सी चीज जिसकी शूटिंग मैंने सैयारा से पहले की थी। हुंकार कुछ समय से मेरे सफर का हिस्सा रही है और मुझे खुशी है कि आखिरकार मैं इसे आप सभी के साथ शेयर कर रही हूं। अब इंसाफ का इंतजार नहीं होगा, बस सच्चाई की हुंकार गूंजेगी। हॉटस्टार स्पेशलरू हुंकार– द रोर, 25 सितंबर से स्ट्रीम हो रही है।

कौन हैं ईशा रिखी? बादशाह की दूसरी पत्नी, जिनके साथ सिंगर ने शादी के 5 महीने बाद ही लिया तलाक

रैपर बादशाह और ईशा रिखी के रिश्ते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के महज पांच महीने बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। बादशाह ने देर रात सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ईशा से तलाक की जानकारी साझा की, जिसके बाद फैंस भी हैरान रह गए। अब इस खबर के बाद सबसे ज्यादा चर्चा ईशा रिखी की हो रही है। फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर बादशाह की दूसरी पत्नी ईशा कौन हैं और उनका रिश्ता इतनी जल्दी क्यों खत्म हो गया। आइए जानते हैं ईशा रिखी से जुड़ी खास बातें। दरअसल, ईशा रिखी का ताल्लुक पंजाब से है। उनका जन्म 9 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई शिशु निकेतन मॉडल सीनियर

सेकेंडरी स्कूल से की और इसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरा किया। ईशा ने कॉलेज के दिनों में ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। इसके बाद साल 2013 में पंजाबी फील जट्ट बॉयज पुत्त जट्टन दे से उन्होंने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। आगे चलकर वह हैप्पी गो लकी और अरदास जैसी पंजाबी फिल्मों में भी नजर आईं। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के बाद ईशा रिखी ने हिंदी फिल्मों में भी काम किया। साल 2018 में वह राघव जुयाल के साथ नवाबजादे में नजर आई थीं। इसके अलावा ईशा कई म्यूजिक वीडियोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। ईशा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी अच्छी–खासी फैन फॉलोइंग है और उन्हें करीब 1.1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। बादशाह और ईशा रिखी ने शादी से पहले करीब चार साल तक एक–दूसरे को डेट किया था। लंबे समय तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों ने 26 मार्च 2026 को गुपचुप तरीके से शादी कर ली। उनकी शादी की तस्वीरें ईशा की मां ने इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं, जिसके बाद ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। शादी के बाद ईशा ने अपने एक्टिंग करियर से दूरी बना ली थी और वह निजी जिंदगी पर ज्यादा ध्यान दे रही थीं।

चाकू साफ करते समय इन छोटे-छोटे टिप्स का रखें ध्यान

हम सभी अपनी किचन में चाकू का इस्तेमाल तो करते ही हैं। फल-सब्जियों से लेकर अन्य कई चीजों को काटने के लिए हमें चाकू की जरूरत पड़ती है। इतना ही नहीं, कभी-कभी तो दिन में कई बार हम चाकू का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इस्तेमाल के बाद उसे क्लीन करना भी उतना ही जरूरी होता है। यह

देखने में आता है कि जब हम चाकू को साफ करते हैं तो कई बार हमारे हाथ में चोट लग जाती है। इतना ही नहीं, अगर चाकू को सही तरह से क्लीन नहीं किया जाता है तो इससे वे जल्द ही खराब हो जाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको चाकू साफ करते समय ध्यान रखना चाहिए-

सिंक में ना डालें

अक्सर हम गंदे बर्तनों को सिंक में रख देते हैं। लेकिन जब बात चाकू की हो तो उसे सिंक में ना रखने की सलाह दी जाती है। ऐसा संभव है कि जब आप बर्तनों की सफाई करें तो सिंक में रखा हुआ चाकू गलती से आपको लग जाए। ऐसी किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए आप या तो चाकू को इस्तेमाल के बाद तुरंत क्लीन करें या फिर उसे सिंक के साइड में रखें।

गर्म साबुन वाले पानी का करें इस्तेमाल

एक बार इस्तेमाल करने के बाद चाकू को तुरंत साफ करना जरूरी होता है। उपयोग के तुरंत बाद आप चाकू को गर्म साबुन वाले पानी से धोएं। उन्हें लंबे समय तक गंदा छोड़ने से बचें, क्योंकि इससे दाग और जंग लग सकता है।

डिशवॉशर में ना करें क्लीन

अगर आपके घर में डिशवॉशर है तो आप चाकू को उसमें डालने से बचें। दरअसल, डिशवॉशर का हाई प्रेशर वॉटर, डिटर्जेंट और गर्मी ब्लेड और हैंडल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्पंज का करें इस्तेमाल

जब आप चाकू को साफ करते हैं तो उसे क्लीन करने के लिए किसी मुलायम कपड़े या स्पंज का उपयोग करें। कभी भी इसे क्लीन करने के लिए एब्रेसिव स्कोअरिंग पैड का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे चाकू के सरफेस पर खरोंच आ सकती है।

तुरंत सुखाएं

यह भी एक छोटा सा टिप है, लेकिन इस ओर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते हैं। चाकू को धोने के बाद उसे तुरंत साफ, सूखे तौलिये से सुखाएं। ध्यान रखें कि यह बहुत लंबे समय तक गीला ना रहे। दरअसल, नमी से चाकू में जंग लग सकता है और वह खराब हो सकता है।

हार्ट को हेल्दी रखने से लेकर दिमाग शांत करेगी क्रैनबेरी चाय, जानिए इसके 11 फायदे

क्रैनबेरी खाने में स्वाद होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसका सेवन करने से शरीर की कई समस्याएं दूर होती हैं। यह फाइबर, प्रोटीन, कॉपर, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन-सी, विटामिन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। क्रैनबेरी के अलावा इससे बनी चाय भी शरीर के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। यह शरीर को डिटॉक्स करके बॉडी को स्वस्थ रखने में मदद करती है। यूरिनेरी इंफेक्शन, कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने, इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत बनाने और कैंसर से बचाव करने के लिए भी यह बेहद लाभकारी मानी जाती है। तो चलिए आपको बताते हैं क्रैनबेरी चाय पीने के अन्य फायदे...

हृदय रहेगा स्वस्थ

यह हाई कोलेस्ट्रॉल कम करके रक्त में लिपिड प्रोफाइबल में सुधार करके हृदय रोगों का जोखिम कम करती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके धमनियों में रक्त संचार सही करके हार्ट हेल्थ को सुधारने में मदद करती है। नियमित क्रैनबेरी चाय का सेवन करने से ब्लड कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियमित और हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम कम होता है।

पाचन के लिए फायदेमंद

इसमें मौजूद बैक्टीरिया पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और मल त्यागने की प्रक्रिया सुधारने में मदद करते हैं। इस चाय में पॉलीफेनॉल्स, फाइबर मौजूद होते हैं जो पाचन स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह चा एच पाइलोरी नाम के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोककर गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद करती है।

वजन घटाने में फायदेमंद

यह वजन घाटने में मदद करती है। इसमें कैलोरी कम मात्रा में पाया जाता है जो वजन घटाने में मदद करती है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद करती है। इस चाय का सेवन करने से बैली फैट कम होता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद

क्रैनबेरी की चाय में चीनी कम और फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसमें मौजूद फाइबर चीनी के अवशोषण को धीमा करके रक्त शर्करा के स्तर में स्पाइक्स का खतरा रोकता है। इसके अलावा क्रैनबेरी चाय में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो इंसुलिन की मात्रा में सुधार करके डायबिटीज रोगियों में होने वाली समस्याओं का जोखिम कम करता है।

शरीर होगा डिटॉक्स

इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स शरीर में से विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में मदद करते हैं। इस चाय का सेवन करने से लिवर एकदम स्वस्थ रहता है।

यूटीआई से राहत

यूटीआई संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी क्रैनबेरी की चाय बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें मौजूद गुण बैक्टीरिया बढ़ने को रोकते हैं जिससे यूरिनेरी इंफेक्शन का जोखिम कम होता है।

दांतों की समस्या से राहत

इस चाय का सेवन करने से दांतों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है। यह मसूड़े की सूजन दूर करती है इसके अलावा इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स प्लैक नहीं जमने देते जिससे ओरल हेल्थ एकदम अच्छी रहती है।

हड्डियां बनेगी मजबूत

इसमें मौजूद मैग्नीशियम, मैग्नीज जैसे मिनरल्स मौजूद होते हैं जो हड्डियों को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। यह ऑस्टियोपोरिसेज और फ्रैक्चर का जोखिम कम करने में मदद करते हैं। कैल्शियम युक्त क्रैनबेरी टी हड्डियों को स्वस्थ रखने में भी बेहद फायदेमंद होती है।

याद्दाश्त बनेगी मजबूत

इसमें पाए जाने वाले फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स दिमाग तेज बनाने में मदद करते हैं। इस चाय का सेवन करने से याद्दाश्त भी मजबूत बनती है।

तनाव होगा कम

क्रैनबेरी चाय का सेवन करने से दिमाग शांत होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव तनाव दूर करने में मदद करते हैं। एक कप क्रैनबेरी चाय का सेवन करने से आपके शरीर को काफी आराम मिलेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

इस चाय में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों के लिए भी बेहद लाभकारी होते हैं जैसे विटामिन-ई,विटामिन-ए और एंथोसायनिन। यह एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों को मुक्त कणों के कारण ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाने में मदद करते हैं जिससे बढ़ती उम्र के साथ मोतियाबिंद का खतरा कम होता है।

दुबलेपन से हो चुके हैं परेशान तो फॉलो करें ये डाइट, महीने में बढ़ने लगेगा वजन !

बढ़ते वजन से ही नहीं बल्कि आज के समय में कुछ लोग दुबले-पतले शरीर से भी परेशान हैं। कमजोर होने के कारण व्यक्ति की पर्सनेलिटी पर असर पड़ता और उनका कॉन्फिडेंस लेवल भी कम हो जाता है। वजन बढ़ाने के लिए लोग कई तरह के सप्लीमेंट्स, प्रोटीन पाउडर का सेवन करते हैं। इसके अलावा कुछ नैचुरल डाइट का सेवन करके भी वजन बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे में अगर आप भी नैचुरल तरीके से अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं तो आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिससे आपको वेट गेन करने में आसानी होगी। आइए जानते हैं....

ऐसा नाश्ता करें

नाश्ता कभी भी स्किप न करें खासकर यदि आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो नाश्ता जरुर करें। नाश्ते में हेल्दी फूड्स की जगह आप 2-3 अंडे, 2 टोस्ट और एक गिलास फुलक्रीम वाला दूध शामिल करें। इसके अलावा दलिया, ओट्स, स्टफ्ड परांठा, उपमा या पोहा भी आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हैवी ब्रेकफास्ट के जरिए आप महीने के अंदर अपना वजन बढ़ा सकते हैं।

मिड मॉर्निंग डाइट

इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो हर 2-3 घंटे में कुछ न कुछ हेल्दी खाना जरुर खाएं। मिड मॉर्निंग डाइट का सेवन करें इसके लिए आप एक फल, दही के साथ ग्रनोला और नट्स का सेवन कर सकते हैं। रोजाना इन चीजों का सेवन करने से आपका वजन बढ़ेगा। फलों की स्मूदी, जूस भी आप मिड डे मॉर्निंग डाइट में ले सकते हैं।

लंच

वजन बढ़ाने के लिए लंच करना न भूलें। इसके लिए आप डाइट में 2-3 रोटी, एक कटोरी सब्जी, एक कटोरी दाल, थोड़ा सा नॉनवेज, एक कटोरी चावल शामिल कर सकते हैं। यदि आप नॉनवेज नहीं खाते तो फुल क्रीम दही, पनीर का सेवन कर सकते हैं। एक कटोरी सलाद को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रील्ड चिकन, पनीर सैंडविच भी आपका वजन बढ़ाने में मदद करेंगे वजन बढ़ाने के लिए आपको हैवी लंच करना चाहिए। लंच के बाद 20-25 मिनट की वॉक जरुर करें।

शाम का नाश्ता

शाम का नाश्ता भी वजन बढ़ाने के लिए जरुरी है। इसके अलावा आप मिल्क शेक के साथ वेजिटेबल या नॉनवेज सैंडविच चीज लगाकर आप सेवन कर सकते हैं।

डिनर

वैसे तो एक्सपर्ट्स डिनर हल्का करने की सलाह देते हैं लेकिन यदि आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो अच्छी मात्रा में डिनर का सेवन करें। डिनर में लंच की तरह 2-3 रोटियां, एक कटोरी सब्जी, एक कटोरी डाल खाएं। बेस्ड फिश, ग्रील्ड वेज सैंडविच भी आप डिनर में ले सकते हैं। डिनर हमेशा सोने से 2-3 घंटे पहले करें और सोते समय दूध का गिलास लेना ना भूलें।

ये टिप्स भी आएंगे काम

. इसके अलावा वजन बढ़ाने के लिए हाई कैलोरी वाले फूड्स को डाइट में शामिल करें।

. प्रोटीन रिच फूड्स भी वजन बढ़ाने में मदद करते हैं। डेयरी प्रोडक्ट्स, स्टार्च प्रोडक्ट्स का सेवन आप वजन बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

. नियमित एक्सरसाइज करना न भूलें। इसके अलावा आप वेट गेन वाली एक्सरसाइज के जरिए भी आप वजन बढ़ा सकते हैं।

त्योहार या फंक्शन में पहनने के लिए बेस्ट हैं ये गहनें, मिलेगा गॉर्जियस लुक

इमीटेशन ज्वेलरी एकदम असली गहनों की तरह लगती है। इसमें अलग-अलग तरह के आभूषण भी मौजूद हैं। आप चाहें तो इसका पूरा सेट कैरी कर खुद को खास लुक दे सकती हैं। असली गहनों की तरह दिखने वाली इमीटेशन ज्वेलरी भी आपकी सुंदरता को निखारने का काम कर सकती हैं। बता दें कि इसको फेक ज्वेलरी या कस्टम ज्वेलरी भी कहा जाता है। इस ज्वेलरी में प्लास्टिक, ग्लास, पत्थर, मेटल और लकड़ी का इस्तेमाल होता है। यह आभूषण आरामदायक होते हैं। इन्हें आप अलग-अलग अवसरों पर पहन सकती हैं।

कुंदन नेकलेस

कुंदन नेकलेस सोने, चांदी और सितारों से बना होता है। इस नेकलेस में आमतौर पर सजीव रंगों में बारीक काम और मोती या मणि लगे होते हैं। इसे आप किसी भी विशेष अवसर शादियों, महोत्सवों और पारंपरिक उत्सवों आदि पर पहन सकती हैं। कुंदन नेकलेस में आपको कई तरह के डिजाइन मिल जाएंगे।

स्टैकेबल बैंगल्स

भारतीय आभूषणों में चूड़ियां प्रमुख स्थान रखती हैं। इस समय स्टैकेबल चूड़ियां चलन में हैं। बता दें कि यह चूड़ियां धातु और कांच जैसी नकली सामग्रियों से बनाकर तैयार की जाती हैं। आमतौर पर यह चूड़ियां अलग-अलग रंगों, डिजाइन और पैटर्न आती हैं। किसी भी अवसर पर आप इन चूड़ियों को पहन अपने लुक को खास बना सकती हैं।

भारतीय पोल्की झुमके

भारतीय पोल्की झुमके आमतौर पर चांदबाली आकार के होते हैं। इन पर पोल्की स्टोन का इस्तेमाल किया जाता है। इन झुमकों में पोल्की स्टोन्स के साथ मोती, कुंदन और सोने के तत्व भी शामिल होते हैं। आप इन पोल्की झुमकों को आधुनिक और पारंपरिक परिधानों के साथ भी कैरी कर सकती हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइन मिल जाएंगे।

सेमी-ब्राइडल सेट

सेमी-ब्राइडल सेट खास अवसरों और शादियों के लिए डिजाइन किया जाता है। इस सेट में आपको आमतौर पर झुमका, हार और टीका मिलता है। वहीं पोल्कि बिना तराशे हुए हीरों को निखारता है। जो सोने या फिर चांदी की परत वाली धातु से जुड़ी होती है। यह पोल्की और रंगीन रत्नों को मिलाकर डिजाइन किया जाता है। इसमें कई तरह के डिजाइन शामिल होते हैं। साथ ही यह दुल्हन की पोशाक से भी मिलता है।

कमर बेल्ट

कुंदन कमर बेल्ट को कमरबंद के नाम से भी जानते हैं। यह दुल्हन की पोशाक में भव्यता को जोड़ने का काम करता है। इसे सोने या चांदी में एक आकर्षक डिजाइन के साथ बनाकर तैयार किया जाता है। आपके पारंपरिक और मॉडर्न शैली को मिलाने के लिए कुंदन कमर बेल्ट एक शानदार तरीका होता है। जो आपको शाही लुक देने का काम करता है।

डायमंड से मिलेगा ट्रेंडिंग लुक

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि सदियों से सोने, चांदी और हीरे के गहने पहने जाते रहे हैं। वहीं समय के साथ इनकी डिजाइन्स में बदलाव किया जाता रहा है और इन्हें मॉर्डन लुक दिया जाता है। यह गहने सभी उम्र की महिलाओं के लिए बनाए जाते हैं। ये गहने अनकट डायमंड और डायमंड के इस्तेमाल से बनाए जाते हैं। क्योंकि डायमंड गहनों को ट्रेंडिंग लुक देने का काम करता है। इन गहनों में रूबी, पन्ना, पुखराज, मोती, नीलम आदि का इस्तेमाल किया जा सकता है।

संक्षिप्त

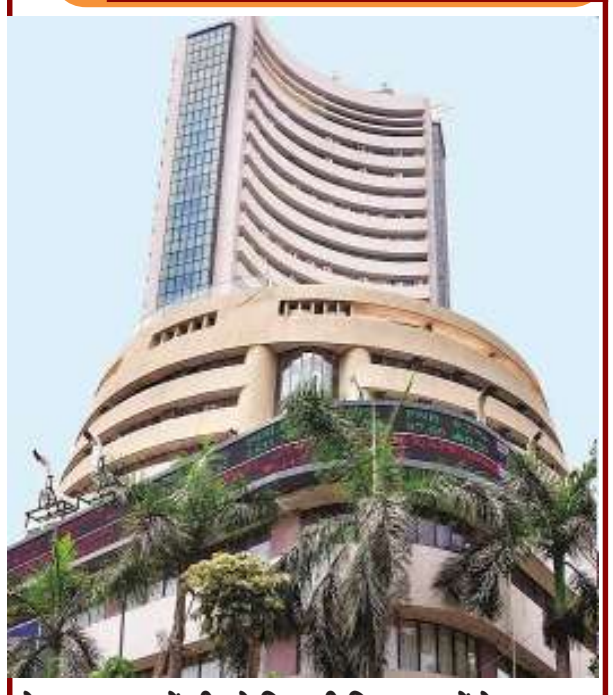

शेयर बाजार में तीसरे दिन भी गिरावट, सेंसेक्स 374 अंक टूटा, जानिए निफ्टी का कैसा रहा हाल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार यानी 2 सितंबर 2026 को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 के स्तर पर आ गया। डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे गिरकर 94.97 (अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट निवेशकों की चिंता बढ़ा रही है। सेंसेक्स में 0.48 फीसदी की कमी आई। निफ्टी भी 0.59 फीसदी के नुकसान के साथ 23,950 के अहम स्तर से नीचे चला गया। दिनभर के कारोबार में कई कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। आइशर मोटर्स और विप्रो के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। दोनों कंपनियों के शेयर करीब तीन फीसदी तक लुढ़क गए। यह लगातार तीसरा दिन है जब बाजार लाल निशान में बंद हुआ है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों और घरेलू स्तर पर मुनाफावसूली के कारण यह गिरावट आई है। निवेशकों ने सतर्कता बरतते हुए अपने शेयर बेचे। कुछ बड़े शेयरों में आई तेज गिरावट ने भी बाजार पर दबाव बनाया। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा वैश्विक आर्थिक आंकड़ों और विदेशी निवेश पर निर्भर करेगी।

जापानी एजेंसी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ाई

नई दिल्ली,एजेंसी। जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआरए) ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को ठठढ़ से बढ़ाकर A– कर दिया है। एजेंसी ने देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि, ठोस निजी खपत और सार्वजनिक निवेश को इसका मुख्य कारण बताया है। वित्तीय प्रणाली की सुदृढ़ता में सुधार भी इस सकारात्मक बदलाव का एक प्रमुख कारण है। एजेंसी की ओर से यह घोषणा मंगलवार को की गई। जेसीआरए ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगभग सात फीसदी की उच्च वृद्धि दर बनाए रखी है। यह मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश से समर्थित है। भारत सरकार ने उत्पादकता वृद्धि और आर्थिक विकास के लिए नीतियां लागू की हैं। इनमें डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का विकास और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कार्यान्वयन शामिल है। इन कदमों से देश की आर्थिक बुनियाद पहले से अधिक मजबूत हुई है। एजेंसी ने भारत गणराज्य की विदेशी मुद्रा और स्थानीय मुद्रा दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग को एक पायदान ऊपर ।– कर दिया है। भारत की कंट्री सीलिंग को भी एक पायदान बढ़ाकर । किया गया है। भारत की जनसंख्या 1.4 अरब से अधिक है और इसका सांकेतिक जीडीपी 3.9 खरब अमेरिकी डॉलर है। वित्त वर्ष 2026 में व्यक्तिगत आयकर कटौती और जीएसटी दरों में कमी से निजी खपत मजबूत बनी रही। वास्तविक जीडीपी के संदर्भ में अर्थव्यवस्था 7.7 फीसदी बढ़ी। एजेंसी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 में भारत छह फीसदी से अधिक की उच्च वृद्धि दर बनाए रखेगा। 2026 की शुरुआत से खाद्य कीमतों और ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के कारण महंगाई बढ़ी है। इसके बावजूद, महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की लक्ष्य सीमा के भीतर बनी हुई है। जेसीआरए ने कहा कि भारत को राजकोषीय घाटे को ऊंचा रखने वाली संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें जटिल अंतर–सरकारी राजकोषीय संबंध और राज्यों के बीच असमानताएं कम करने के उद्देश्य से राजकोषीय हस्तांतरण शामिल हैं। सरकार ने सब्सिडी सहित चालू व्यय की वृद्धि को नियंत्रित किया है। पूंजीगत व्यय, विशेषकर अवसंरचना निवेश पर अधिक जोर दिया गया है। राजकोषीय व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2026 में केंद्र सरकार ने अपना राजकोषीय घाटा पिछले वित्त वर्ष के 4.7 फीसदी से घटाकर जीडीपी का 4.4 फीसदी कर दिया। पूंजीगत व्यय को उच्च स्तर पर बनाए रखा गया। बैंकिंग क्षेत्र में सुधार हुआ है। मार्च 2026 के अंत तक सकल गैर–निष्पादित ऋण अनुपात घटकर 1.8 फीसदी हो गया। एजेंसी ने इस सुधार का श्रेय दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) की स्थापना, सरकारी पूंजी निवेश और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मजबूत निगरानी को दिया। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार, जो अल्पकालिक बाहरी ऋण से काफी अधिक है, भारत को बाहरी झटकों के खिलाफ मजबूत लचीलापन प्रदान करता है। केंद्र सरकार का ऋण–से–जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 2026 के अंत में 56.1 फीसदी था। इसके धीरे–धीरे कम होने की उम्मीद है। हालांकि, सामान्य सरकारी ऋण और संबंधित ब्याज बोझ अभी भी अधिक हैं।

लगातार सातवें दिन टूटा भाव, 1.5 लाख के स्तर पर पहुंचीं वायदा कीमतें

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक बाजारों में मची उथल–पुथल और पश्चिम एशिया में गहराते भू–राजनीतिक तनाव के बीच भारतीय वायदा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार, 2 सितंबर को सोने के वायदा भाव लगातार सातवें कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के कारण कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में आई भारी तेजी ने वैश्विक बाजारों में महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की चिंताओं को हवा दे दी है। इसी का नतीजा है कि सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने में निवेशकों ने वैश्विक स्तर पर बिकवाली तेज कर दी है, जिससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम गिरकर ध्1.5 लाख प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गए हैं।

खिलाड़ियों की चोट से 2027 विश्वकप तक, इन मुद्दों पर होगी चर्चा, गंभीर–अगरकर रहेंगे मौजूद?

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के हालिया प्रदर्शन और भविष्य की रणनीति को लेकर बीसीसीआई की बहुप्रतीक्षित समीक्षा बैठक आखिरकार गुरुवार, तीन सितंबर को मुंबई में होगी। बोर्ड मुख्यालय में होने वाली इस बैठक में बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के शामिल होने की उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 जुलाई को कहा था कि इंग्लैंड दौरे के 19 जुलाई को समाप्त होने के बाद विस्तृत समीक्षा बैठक होगी। उस समय बैठक का मुख्य एजेंडा इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ ज्20ए सीरीज में मिली हार और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के कारणों की समीक्षा करना था। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ ज्20ए दौरे और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के कारण बैठक टल गई। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज 3–0 से जीती, जबकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 1–0 से अपने नाम की। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार की बैठक में सीनियर पुरुष टीम के हालिया नतीजों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि टीम के प्रदर्शन में कहां चीजें सही रहीं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। बैठक का दूसरा बड़ा मुद्दा खिलाड़ियों की फिटनेस और लगातार सामने आ रही चोटों की समस्या होगी। टीम में कई प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है और हार्दिक पांड्या की स्थिति इस चर्चा के केंद्र में रहने की उम्मीद है। 2026 पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के बाद हार्दिक पांड्या का अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना जाना टीम प्रबंधन के लिए बड़ा सवाल है। पांड्या को 2027 वनडे विश्व कप अभियान के लिए भारतीय टीम का अहम हिस्सा माना जा रहा है। लेकिन लगातार चोटों से जूझ रहे पांड्या की गेंदबाजी क्षमता और उनका वर्कलोड अभी भी चिंता का विषय है। उनकी ताजा चोट शिन यानी पिंडली के हिस्से में लगी चोट बताई जा रही है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि वह वनडे क्रिकेट में एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर कितना भार संभाल पाएंगे। बीसीसीआई की बैठक में इसी पहलू पर गंभीर चर्चा होने की संभावना है।

मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ज्20ए सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हुआ। इस चयन ने भी टीम के फिटनेस मुद्दों को सामने ला दिया। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा को सीरीज के लिए प्रोविजनल रूप से चुना गया है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीनों टी20 मुकाबले 13 से 17 सितंबर के बीच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। रिव्यू मीटिंग में केवल पिछली गलतियों पर चर्चा नहीं होगी, बल्कि भारतीय टीम के अगले बड़े अभियानों की योजना भी तैयार की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, न्यूजीलैंड का मल्टी–फॉर्मेट दौरा, भारत में होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी और 2027 पुरुष वनडे विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण असाइनमेंट बैठक के एजेंडे में रहेंगे। खास तौर पर 2027 विश्व कप के मद्देनजर खिलाड़ियों के वर्कलोड, फिटनेस मैनेजमेंट और टीम संयोजन पर चर्चा महत्वपूर्ण होगी। BCCI और टीम मैनेजमेंट यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि प्रमुख खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट से पहले फिट और पर्याप्त मैच अभ्यास में रहें। इस बीच, पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली भी 18 सितंबर को मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होने वाली वार्षिक आम बैठक में शामिल होंगे। फिलहाल वह क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं। आईएएनएस के मुताबिक, एजीएम के ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में 35 में से 31 राज्य इकाइयों का प्रतिनिधित्व होगा। बैठक में आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के दो प्रतिनिधियों के चुनाव भी होंगे। हैदराबाद, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और बिहार की क्रिकेट एसोसिएशन प्रशासनिक कारणों से एजीएम में शामिल नहीं होंगी।

गांगुली के अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद, जो इस समय कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं, और सौरभ तिवारी, जो झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव हैं, भी एजीएम में मौजूद रहेंगे। सौराष्ट्र के पूर्व कप्तान जयदेव शाह, जो वर्तमान में सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन का नेतृत्व कर रहे हैं, भी बैठक में शामिल होंगे। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रशासक गोविंदा सनप प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष रोहन जेटली मौजूद रहेंगे। गुरुवार की रिव्यू मीटिंग इसलिए भी अहम है क्योंकि भारतीय टीम के सामने अब केवल तत्काल परिणाम सुधारने की चुनौती नहीं है। बीसीसीआई को अगले बड़े टूर्नामेंटों के लिए ऐसा रोडमैप तैयार करना होगा जिसमें फिटनेस, वर्कलोड और टीम संयोजन तीनों का संतुलन हो। हार्दिक पांड्या जैसे ऑलराउंडर की उपलब्धता, प्रमुख तेज गेंदबाजों की फिटनेस और युवा खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देना 2027 विश्व कप की तैयारियों के अहम हिस्से होंगे। यानी बैठक में सवाल सिर्फ यह नहीं होगा कि टीम से कहां गलती हुई, बल्कि यह भी होगा कि अगली बड़ी चुनौती से पहले उसे कैसे मजबूत बनाया जाए।

विकल्पों के बावजूद टीम में अनफिट खिलाड़ी क्यों चुने गए ? जानें चयन के पीछे की पूरी कहानी

मुंबई,एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज 13 से 17 सितंबर तक दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। बीसीसीआई ने मंगलवार को इसके लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। श्रेयस अय्यर को कप्तान और तिलक वर्मा को उप–कप्तान बनाया गया है। हालांकि टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनकी मैचों में उपलब्धता अभी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। इनमें स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा शामिल हैं। बीसीसीआई ने आधिकारिक टीम सूची में इन चारों खिलाड़ियों के नाम के साथ साफ तौर पर फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन लिखा है। यहीं से चयन समिति के फैसले को लेकर बहस शुरू होती है। किसी खिलाड़ी को टीम में चुनना और फिर उसकी फिटनेस क्लीयरेंस का इंतजार करना अपने आप में गलत नहीं है। खासकर तब, जब खिलाड़ी टीम के महत्वपूर्ण सदस्य हों। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन खिलाड़ियों को शुरुआती टीम में शामिल करना जरूरी था? चारों खिलाड़ी पहले भी चोट और फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ चुके हैं। ऐसे में वापसी के बाद उन्हें मैच फिटनेस हासिल करने के लिए पर्याप्त समय देना एक अहम पहलू हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिट होना और मैच के लिए पूरी तरह तैयार होना दो अलग–अलग बातें हैं।

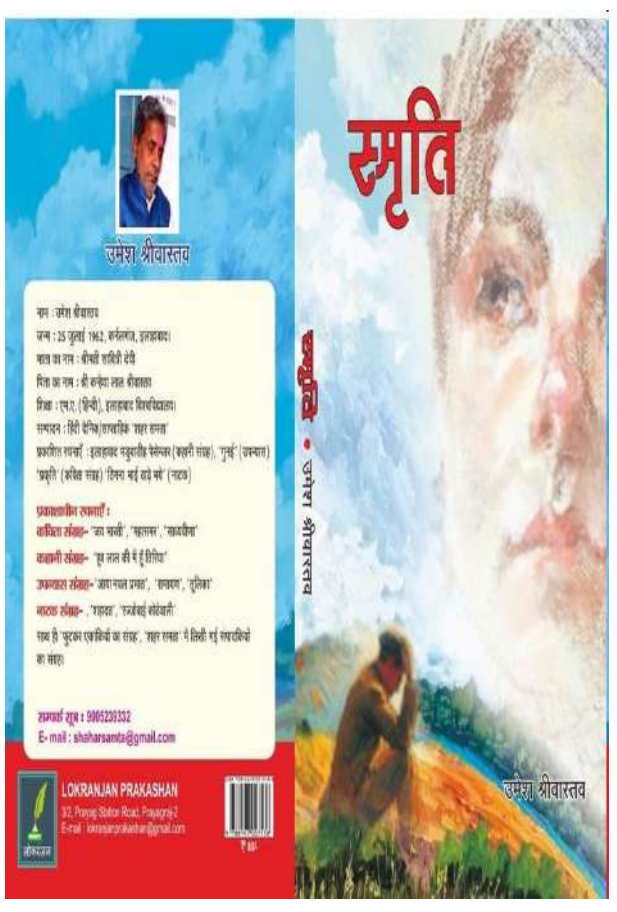

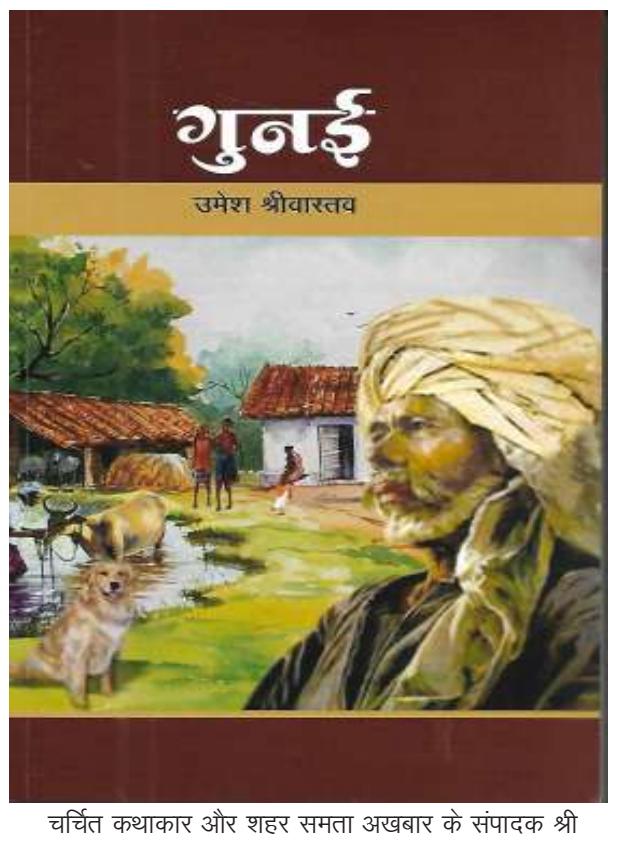

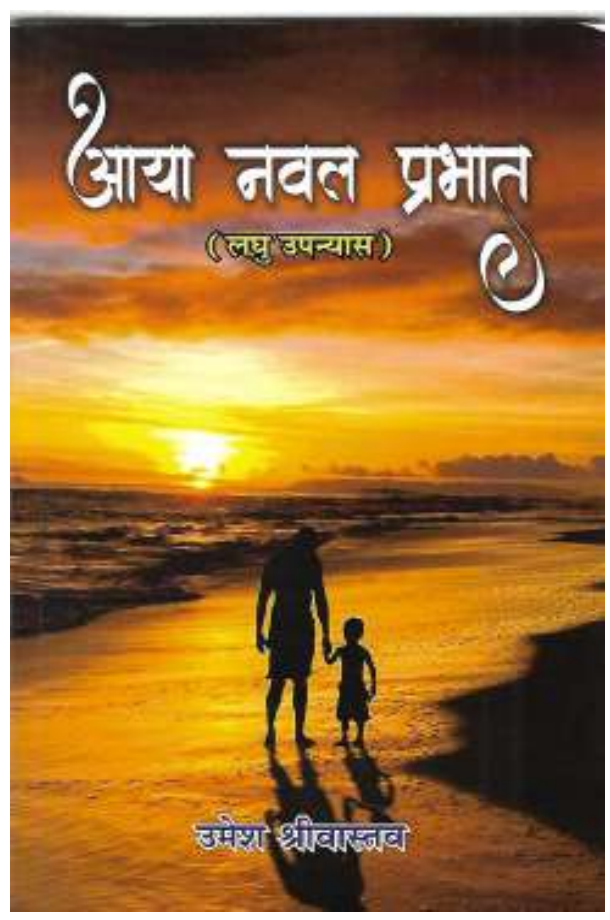

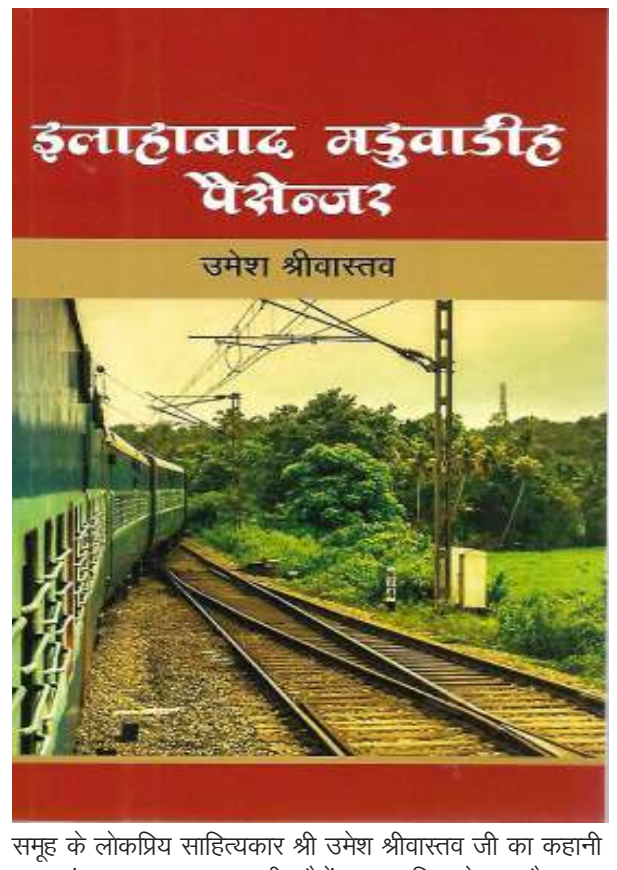

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

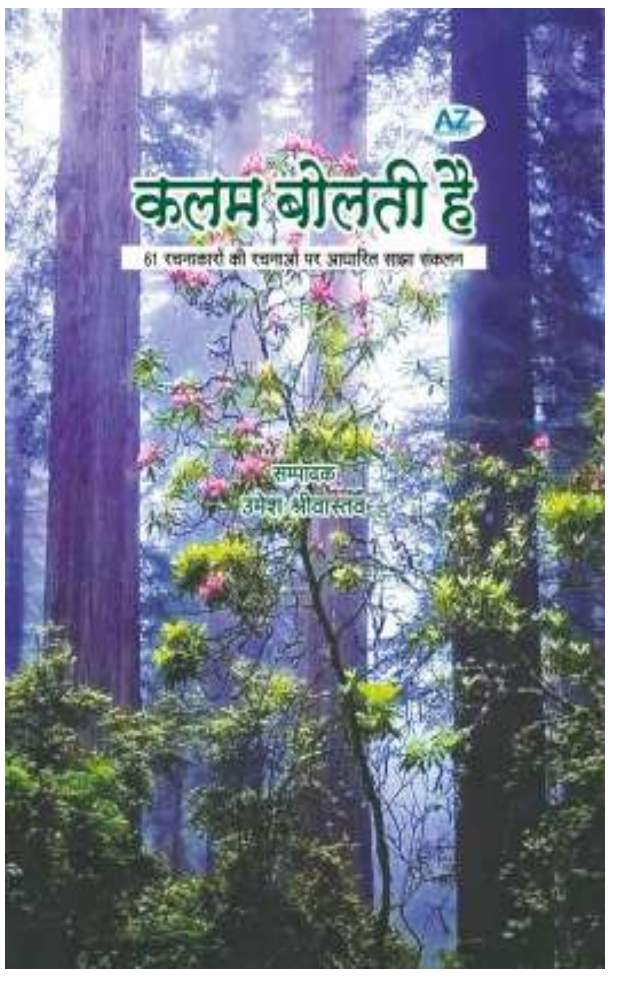

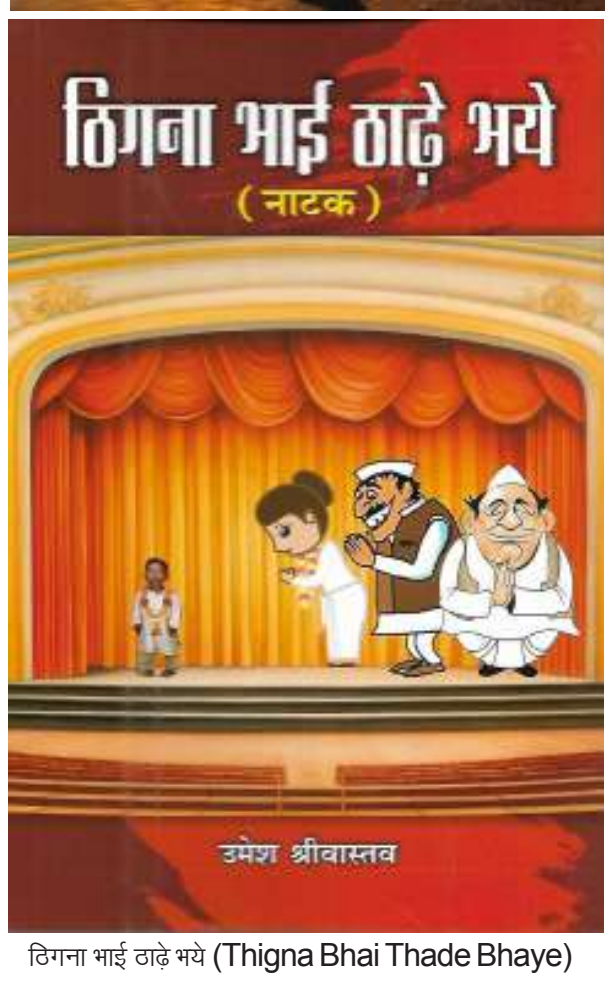

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल?: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की

सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है। अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू–राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है। चीन–मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी? चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल–सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है। मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिका के प्रभाव को चुनौती देने की चीन की महत्वाकांक्षा का महत्वपूर्ण उदाहरण माना गया। हालांकि, इसके बाद से तेहरान और रियाद के रिश्तों में फिर तनाव देखने को मिला है। चीन खुद को क्षेत्र में एक मध्यस्थ और स्थिरता कायम करने वाली ताकत के रूप में पेश करता रहा है। इजरायल–फिलिस्तीन विवाद पर भी बीजिंग लंबे समय से दो–राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है।

अमेरिका: ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, जानिए कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐस समय नियुक्ति दी है, जब ऐसी चिंताएं

सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा। अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में ैम।स- टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया। ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, श्मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

थाईलैंड: 286 दिन बाद पहुंचा USS अब्राहम लिंकन, पटाया में बढ़ी हलचल, रेड-गिरफ्तारियों से टूरिज्म पर क्या असर?

पटाया, एजेंसी। 286 दिन तक लगातार समुद्र में रहने के बाद अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बुधवार को थाईलैंड के लैम चाबांग बंदरगाह पहुंच गया। करीब 5,000 अमेरिकी नौसैनिकों और मरीन को लेकर पहुंचा यह पोत अगले पांच दिनों तक थाईलैंड में रहेगा। इतने बड़े सैन्य दल के पहुंचने से जहां सैनिकों को आराम और मनोरंजन का मौका मिलेगा, वहीं पटाया के पर्यटन कारोबार को भी रफ्तार मिलने की उम्मीद है। लेकिन अमेरिकी सैन्यकर्मियों के पहुंचने से पहले ही पटाया में एक अलग तरह की हलचल शुरू हो चुकी है। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और यौन कार्य से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। ऐसे में आने वाले पांच दिन पटाया के लिए कारोबार और नाइटलाइफ, दोनों लिहाज से अहम रहने वाले हैं।

286 दिन तक समुद्र में क्यों रहा अब्राहम लिंकन? यूएसएस अब्राहम लिंकन को नवंबर 2025 में तैनात किया गया था। आमतौर पर अमेरिकी नौसेना के जहाजों की तैनाती छह से नौ महीने तक होती है, लेकिन संघर्ष जैसी परिस्थितियों में यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। इस बार पोत लगातार 286 दिन समुद्र में रहा, जिसे आधुनिक दौर का रिकॉर्ड बताया जा रहा है। इतनी लंबी तैनाती के दौरान जहाज पर मौजूद चालक दल के हालात और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। अब थाईलैंड में पांच दिन का ठहराव चालक दल के लिए राहत और रिकवरी का मौका माना जा रहा है। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप–3 के कमांडर रियर एडमिरल रॉबर्ट ई. लॉफ्रान ने भी इसे चालक दल के लिए आराम करने और दोबारा ऊर्जा हासिल करने का जरूरी अवसर बताया है।

5 हजार अमेरिकी सैनिकों से पटाया के कारोबार को कितनी उम्मीद? अब्राहम लिंकन के साथ करीब 5,000 अमेरिकी नौसैनिक और मरीन थाईलैंड पहुंचे हैं। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यकर्मियों की मौजूदगी से पटाया के स्थानीय कारोबारियों को बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। सैन्यकर्मियों को लैम चाबांग बंदरगाह और पटाया के बीच लाने–ले जाने के लिए करीब 40 बसों की व्यवस्था की जाएगी। इससे शहर के होटल, रेस्तरां, खाने–पीने की दुकानें, टैक्सी, कपड़ों की दुकानें और दूसरे स्थानीय कारोबारों में गतिविधियां बढ़ सकती हैं। लंबे समय से सुस्त पड़े कारोबार को भी अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से कुछ सहारा मिलने की उम्मीद है। खास तौर पर वे कारोबारी ज्यादा उत्साहित हैं, जिनका काम विदेशी पर्यटकों और मनोरंजन गतिविधियों से जुड़ा है। फिर नाइटलाइफ को लेकर इतनी चर्चा क्यों? पटाया की पहचान केवल समुद्र तटों और होटलों से नहीं है। शहर की नाइटलाइफ और मनोरंजन उद्योग भी लंबे समय से यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का हिस्सा रहे हैं। लेकिन अमेरिकी सैनिकों के पहुंचने से पहले ही पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। सप्ताहांत में हुई कार्रवाई के दौरान वेश्यावृत्ति के संदेह में करीब 40 से 50 लोगों को हिरासत में लिया गया। थाईलैंड में यौन कार्य गैरकानूनी है। हालांकि बैंकॉक और पटाया जैसे प्रमुख पर्यटन केंद्रों के कुछ हिस्सों में यह गतिविधि लंबे समय से खुले तौर पर होती रही है और पुलिस समय–समय पर इसके खिलाफ कार्रवाई करती रही है। अब अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौजूदगी को देखते हुए पटाया के प्रमुख समुद्र तटों और नाइटलाइफ इलाकों में अतिरिक्त पुलिस गश्त की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना और प्रतिबंधित गतिविधियों पर नजर रखना है। अगर नाइटलाइफ पर सख्ती बढ़ी तो किस पर पड़ेगा असर?

पटाया की नाइटलाइफ का असर सिर्फ यौन कार्य से जुड़े कारोबार तक सीमित नहीं है। होटल, रेस्तरां, बार, टैक्सी, स्ट्रीट वेंडर्स और मनोरंजन से जुड़े कई दूसरे कारोबार भी विदेशी पर्यटकों की आवाजाही पर निर्भर हैं। ऐसे में अगर पुलिस की सख्ती इतनी बढ़ती है कि पर्यटकों की आवाजाही या मनोरंजन गतिविधियों पर व्यापक असर पड़ता है, तो स्थानीय कारोबारियों की कमाई भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, मौजूदा स्थिति को पूरे थाईलैंड के पर्यटन के ठप होने के तौर पर नहीं देखा जा सकता। फिलहाल संभावित असर मुख्य रूप से पटाया के उन इलाकों और कारोबारों तक सीमित रहने की आशंका है, जो नाइटलाइफ और विदेशी पर्यटकों पर ज्यादा निर्भर हैं। अमेरिकी सैनिकों के लिए कौन–कौन सी पाबंदियां रहेंगी? पटाया के मेयर पोरामासे नगामपिचेस के अनुसार, अमेरिकी सैन्यकर्मियों के लिए कुछ गतिविधियों में हिस्सा लेने पर रोक रहेगी। इनमें कई तरह के वाटर स्पोर्ट्स, जेट स्कीइंग, बंजी जंपिंग, कुश्ती और बॉक्सिंग जैसी गतिविधियां शामिल हैं। थाई अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अब्राहम लिंकन की यात्रा मुख्य रूप से रसद, आराम और सैन्यकर्मियों की रिकवरी से जुड़ी है। इसे मध्य–पूर्व में चल रहे संघर्ष से जोड़कर नहीं देखा जा रहा है। अमेरिका और थाईलैंड के रिश्ते कितने पुराने हैं? अमेरिका और थाईलैंड के बीच लंबे समय से रक्षा संबंध हैं। थाईलैंड 1954 से अमेरिका का संधि सहयोगी है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच नियमित सैन्य अभ्यास और रक्षा सहयोग भी जारी रहता है। फिलहाल अब्राहम लिंकन का पटाया पहुंचना शहर के लिए एक दिलचस्प स्थिति लेकर आया है। एक तरफ करीब 5,000 अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौजूदगी से स्थानीय कारोबार को फायदा मिलने की उम्मीद है, तो दूसरी तरफ सुरक्षा व्यवस्था और नाइटलाइफ पर पुलिस की निगरानी बढ़ गई है। अब अगले पांच दिन बताएंगे कि अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी पटाया के पर्यटन कारोबार को कितना फायदा पहुंचाती है और बढ़ी हुई पुलिस निगरानी का शहर की नाइटलाइफ पर कितना असर पड़ता है।

'ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पात': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे। साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल–बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, श्अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद

वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, श्अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह–संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।श वेंस ने कहा, श्ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते। इससे हमारे पूरे राजनीतिक सिस्टम की वैधता पर ही सवाल उठ जाता। क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था। एआई को लेकर जताई चिंता

वेंस ने कहा, श्दुनिया में कुछ ऐसी चीजे हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर श्एंटीक्राइस्टश (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।श उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, श्उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वे ऐसे इंसान नहीं हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का–फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं। मुझे लगता है कि अगर लोग इस बात को समझें, तो उन्हें पता चलेगा कि वे किसी को बुरा महसूस नहीं कराना चाहते, बल्कि माहौल को हल्का–फुल्का रखना चाहते हैं।श

जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात, आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा?

अमेरिका, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश,

वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। रूस के वित्त मंत्री से किन मुद्दों पर हुई बातचीत?

सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन (SCO) डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून–चोल से भी मुलाकात की। बैठक में भारत–कोरिया आर्थिक और वित्तीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है। दोनों मंत्रियों ने भारत–कोरिया वित्त मंत्रियों की बैठक को आगे बढ़ाने के लिए जल्द कार्यस्तरीय बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई। बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों, मजबूत सप्लाई चेन और अन्य उभरते रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। सीतारमण ने दक्षिण कोरिया से उभरते क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का स्वागत किया और कहा कि भारतीय कंपनियां भी कोरिया में निवेश की संभावनाएं तलाश सकती हैं। इसके अलावा एनआईआईएफ के माध्यम से निवेश सहयोग मजबूत करने और भारत में बुनियादी ढांचे तथा हरित बदलाव से जुड़े निवेश के लिए कोरिया के ईडीसीएफ ढांचे के तहत प्रस्तावित रियायती ऋण सुविधा को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों के फत आध ारित भुगतान सिस्टम की इंटरऑपरेबिलिटी पर चल रहे प्रयासों पर भी बातचीत हुई। इससे दोनों देशों के बीच भुगतान को आसान बनाने और आर्थिक एवं लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। निर्मला सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से भी मुलाकात की। दोनों के बीच वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और भारत की बदलती विकास यात्रा पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, जॉर्जीवा ने भारत के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन और उसके ट्रैक रिकॉर्ड की सराहना की। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में बनी मजबूती और देश में हो रहे संरचनात्मक बदलावों का उल्लेख किया। सीतारमण ने भारत के मजबूत व्यापक आर्थिक आधारों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहे संरचनात्मक बदलावों को आर्थिक आकलन और विकास अनुमानों में उचित तरीके से शामिल करने की जरूरत पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने आईएमएफ की क्षमता निर्माण पहलों पर भी चर्चा की। इसमें संस्थागत क्षमता, व्यापक आर्थिक नीति निर्माण और सांख्यिकी व्यवस्था को मजबूत करने से जुड़ा सहयोग शामिल है।

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि ा सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370–48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा। प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति के अध्यक्ष सांसद टॉम कोल ने कहा कि इससे देश और लोगों को यह भरोसा मिलेगा कि सरकार का कामकाज चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी तय रहेगा कि सेना के जवानों को उनका वेतन मिलता रहेगा। पिछली शरद ऋतु में रिकॉर्ड 43 दिनों तक सरकारी कामकाज बंद रहा था। दोनों पार्टियों में उस टैक्स क्रेडिट को जारी रखने को लेकर सहमति नहीं बनी थी, जिसकी समय सीमा खत्म हो रही थी। यह टैक्स क्रेडिट अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की लागत कम करता है। इसके बाद गृह सुरक्षा विभाग का कामकाज भी बंद हुआ था। यह शटडाउन 76 दिनों तक चला। बाद में सांसदों ने विभाग के बड़े हिस्से के लिए फंडिंग पर सहमति बना ली।

हालांकि, आव्रजन कानून लागू करने से जुड़े कामों के लिए फंडिंग नहीं दी गई। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव से पहले फिर ऐसी स्थिति बने। उन्होंने हाल के गतिरोध के लिए एक–दूसरे की पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने वोटिंग से पहले पत्रकारों से कहा कि वे एक और डेमोक्रेटिक शटडाउन के खतरे से बचेंगे। वोटिंग के बाद जॉनसन ने कहा कि प्रतिनिधि सभा ने अपना काम कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को शक था कि रिपब्लिकन बहुमत अपने अंदर के मतभेदों को दूर कर पाएगा या नहीं। इसके बावजूद समर्थन जुटाया गया। उन्होंने कहा कि वे जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं और काम पूरा कर रहे हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।